



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 155]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 8 2015/ज्येष्ठ 18, 1937

No. 155]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 8, 2015/JYAISTHA 18, 1937

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जून, 2015

अंतिम जांच परिणाम

विषय: यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य, चीन जनतांत्रिक गणराज्य और ताइवान (चीनी ताइपेई) के मूल के या वहाँ से निर्यातित पोटाशियम कार्बोनेट के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों से संबंधित मामले में निर्णयिक समीक्षा जांच

सं. 15/12/2014-डीजीएडी:-यतः उपरोक्त नियमों को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके बाद इसे प्राधिकारी कहा गया है) द्वारा उप-शीर्ष 2836 40 00 के अंतर्गत आने वाले यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य, चीन जनतांत्रिक गणराज्य और ताइवान (चीनी ताइपेई) (इसके बाद इसे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहाँ से निर्यातित पोटाशियम कार्बोनेट के आयातों के संबंध में एक पाटनरोधी जांच शुरू की गई थी और दिनांक 16 जनवरी, 2004 की अंतिम जांच अधिसूचना सं. 14/42/2002-डीजीएडी के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की गई थी। इस जांच परिणाम के आधार पर, केन्द्र सरकार ने दिनांक 20 फरवरी, 2004 की अधिसूचना सं. 37/2004 के तहत संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए। तदोपरान्त, प्राधिकारी द्वारा एक निर्णयिक समीक्षा जांच की गई और दिनांक 20 मई, 2009 की

अधिसूचना सं. 15/4/2008-डीजीएडी के तहत पाटनरोधी शुल्क बढ़ाने की सिफारिश की गई थी। शुल्क को दिनांक 10 जून, 2009 की अधिसूचना सं. 61/2009-सीमा-शुल्क के तहत बढ़ाया गया था।

2. यदि अधिनियम एवं नियमों के प्रावधानों के अनुसार लगाया गया पाटनरोधी शुल्क, जब तक पहले निरस्त न कर दिया जाए, उसके लगाए जाने की तारीख से पांच वर्षों की समाप्ति पर प्रभावी नहीं रहेगा।

3. और यह: उपरोक्त उपबंध के होते हुए प्राधिकारी द्वारा, शुल्क समाप्ति की तारीख से पूर्व एक समुचित समय अवधि के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से किए गए यथोचित अनुरोध के आधार पर समीक्षा की जाएगी कि क्या शुल्क समाप्त होने के कारण पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

4. और यह: मैसर्ज गुजरात अल्कालीज एंड कैमिकल्स लि. ने प्राधिकारी को संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर वित्त मंत्रालय की दिनांक 10 जून, 2009 की अधिसूचना सं. 61/2009-सीमा-शुल्क के तहत पहले लगाए गए निश्चयात्मक पाटन रोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा के लिए अनुरोध करते हुए और इस आधार पर पाटन रोधी शुल्क को जारी रखने की मांग करते हुए एक आवेदन के साथ अनुरोध किया था कि पाटन रोधी शुल्क को समाप्त करने से पाटन और क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होते रहने की संभावना है।

5. इस बात से संतुष्ट होते हुए कि याचिकाकर्ताओं ने समीक्षा किए जाने की जरूरत की पुष्टि की है, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 9 जून, 2014 की अधिसूचना सं. 15/12/2014-डीजीएडी के तहत निर्णायक समीक्षा करना उचित समझा। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटन रोधी शुल्क की वैधता अवधि को केन्द्र सरकार द्वारा 23 जुलाई, 2014 की अधिसूचना सं. 34/2014-सीमा-शुल्क (एडीडी) के तहत बढ़ाकर 9 जून, 2015 कर दिया गया था।

6. वर्तमान समीक्षा के दायरे में संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित पूर्ववर्ती जांचों के सभी पहलू शामिल हैं।

क. प्रक्रिया

7. इस जांच में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- (i) प्राधिकारी द्वारा पाटन रोधी नियमों के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन का आरोप लगाने वाली याचिकाएं प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया गया था।
- (ii) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों की मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन रोधी जांच की निर्णायक समीक्षा करने के लिए दिनांक 9 जून, 2014 की अधिसूचना सं. 15/12/2014-डीजीएडी जारी की जो भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित की गई।
- (iii) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति के साथ एक पत्र संबद्ध देशों में सभी ज्ञात निर्यातकों और अन्य हितधारक पक्षकारों/उद्योग संघों (जिनके विवरण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को भेजा और उन्हें पाटन रोधी नियमों के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।
- (iv) प्राधिकारी ने पाटन रोधी नियमों के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को उपलब्ध कराई। आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी।
- (v) संबद्ध देशों में निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्र और निर्यातक प्रश्नावली की प्रतियां और ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची इस अनुरोध के साथ भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को भी भेजी गई।

कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर भेजने के लिए संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों के साथ-साथ संबद्ध देशों से अन्य निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें।

(vi) प्राधिकारी ने पाटन रोधी नियमों के अनुसार संबद्ध देशों से ज्ञात निम्नलिखित निर्यातकों को संगत सूचना देने के लिए निर्यातक प्रश्नावली भेजी।

(vii) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निम्नलिखित निर्यातकों को संगत सूचना देने के लिए निर्यातक प्रश्नावली भेजी :

1. इवोनिक इंडस्ट्रीज ए जी, जर्मनी
2. डॉ. पॉल लोहमन गेंब केजी, जर्मनी
3. मर्क के जी ए, जर्मनी
4. क्रिनोवा स्पेशियलकैमी गेंब, जर्मनी
5. ताइवान पेपर एंड पल्प कारपोरेशन, ताइवान
6. ग्रीन माउंटेन कंपनी लि., ताइवान
7. ग्रीमोंट कैमिकल कंपनी लि., ताइवान
8. जियांड ड्यांग कैमिकल मैन्यूफैक्चर लि. (जियांड), चीन
9. पंजिन फर्टिलाइजर प्लांट फर्टिलाइजर फैक्टरी, चीन
10. चेंगडु कैमिकल कंपनी लि. (सीसीएल), चीन
11. हेनन चाइनाओरिजिनेटर ट्रेडिंग कंपनी लि., चीन
12. यूनिड कंपनी लि., कोरिया

(viii) मैसर्ज यूनिड कंपनी लि., कोरिया गणराज्य, मैसर्ज ताइवान पेपर एंड पल्प कारपोरेशन, ताइवान तथा मैसर्ज पोटास ई टी प्रोड्यूट्स किमिक्स, फ्रांस नामक निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दाखिल किए हैं।

(ix) प्राधिकारी द्वारा नियम 6(4) के अनुसार सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी गई और उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी गई :

1. अरबिंदो फार्मा लिमिटेड, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
2. विडियोकोन इंटरनेशनल लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
3. विडियोकोन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, विडियोकोन, गुजरात
4. टेनफेस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, चेन्नै, तमिलनाडु
5. वोरिन लैबोरेट्रीज लिमिटेड, सिकंदराबाद, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
6. गुजरात इंसैक्टीसाइड्स लिमिटेड, अंकलेश्वर, गुजरात
7. आईसीआई इंडिया लिमिटेड, चेन्नै, तमिलनाडु
8. आरती ड्रग्स लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र

9. केडीएल बायोटैक लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
10. भारत ज्योती, मुंबई, महाराष्ट्र
11. एनओसीआईएल लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
12. बकुल फार्मा, मुंबई, महाराष्ट्र
13. बायो कैमिकल सिंथेटिक प्रोडक्ट, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
14. ग्लोकेम इंडस्ट्रीजलिमिटेड, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
15. असम पैट्रोकैमिकल्स लिमिटेड, गुवाहाटी, असम
16. मीक लुब्रिकेंट एंड पैट्रोकैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
17. बेकर हग्स सिंगापुर पी टी ई हैड ऑफिस, मुंबई, महाराष्ट्र
18. कीर्ति कंपनी, बंगलौर, कर्नाटक
19. एम एफ पी एल फ्लोरीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड चेन्नै, तमில்நாடு
20. मैक्स एसोटैक लिमिटेड, गुडगांव, हरियाणा
21. रेनबैकसी लैब, नई दिल्ली
22. अमोली आर्गेनिक्स, मुंबई, महाराष्ट्र
23. खुशबू कैमिकल्स, मुंबई, महाराष्ट्र
24. रिकोन लिमिटेड, बंगलौर, कर्नाटक
25. एस डी फाइन कैम लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
26. वेस्टर्न कैमिकल प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
27. बेरर इंडिया कैमिकल प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नै, तमில்நாடு
28. डॉरेडीज लेबोरेटरीज लिमिटेड, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
29. सी जे शाह एंड कंपनी, मुंबई, महाराष्ट्र
30. ट्राइबोलोजी इंडिया लिमिटेड, चेन्नै, तமில்நாடு
- (x) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन से जांच की अवधि दिनांक 1 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2014 (12 माह) तक की है। तथापि, क्षति विश्लेषण के संदर्भ में वर्ष 2010-11, 2011-12, 2012-13 और जांच की अवधि शामिल थी।
- (xi) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से यह अनुरोध किया गया था कि वह गत तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के व्यौरों की व्यवस्था करें। डी जी सी आई एंड एस से आयात की जानकारी प्राप्त की गई थी। चूंकि उत्तर देने वाले निर्यातिक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार आयातों की मात्रा डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों और कोरियाई सीमा-शुल्क के आंकड़ों में सूचित मात्रा से अधिक पाई गई, इसलिए जांच के लिए उत्तर देने वाले निर्यातिकों के आंकड़ों पर भरोसा किया गया है।

- (xii) नियम 6 (7) के अनुसार, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा गया।
- (xiii) पाटन रोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 8 जनवरी, 2015 को हुई एक सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर भी प्रदान किया।
- (xiv) मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप में व्यक्त विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया था। जांच और सुनवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक सीमा तक प्रकटीकरण विवरण में शामिल कर लिया गया है।
- (xv) भारत में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत और क्षति रहित कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने अनुबंध-III में निर्धारित दिशानिर्देशों के आधार पर घरेलू उत्पादक द्वारा प्रस्तुत सूचना की संभव सीमा तक जांच की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (xvi) उत्तर देने वाले निर्यातक और आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों का आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था।
- (xvii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हुआ है, गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।
- (xviii) जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने यह प्रकटन विवरण "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर दर्ज किया है और ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है।
- (xix) हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 25.05.2015 को इस जांच में आवश्यक तथ्यों सहित एक प्रकटीकरण विवरण जारी किया गया था, जो अंतिम जांच परिणाम का आधार होगा। केवल घरेलू उद्योग से प्रकटीकरण विवरण के बाद आग्रह प्राप्त हुए थे और उन पर इस अंतिम जांच परिणाम की अधिसूचना में संगत सीमा तक विचार किया गया है।
- (xx) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए जिन अनुरोधों को प्राधिकारी द्वारा संगत समझा गया उन्हें इस अंतिम जांच परिणाम की अधिसूचना में शामिल कर लिया गया है।
- (xxi) प्राधिकारी द्वारा जांच की अवधि के लिए विनिमेय दर रु. 60.85 = 1 अमेरिकी डालर ली गई है।
- (xxii) ***यह चिह्न इस जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना को दर्शाता है और प्राधिकारी द्वारा नियमों के तहत ऐसा माना गया है।

ख. विचारणीय उत्पाद का क्षेत्र और 'समान वस्तु'

8. विचाराधीन उत्पाद "पोटाशियम कार्बोनेट" है। पोटाशियम कार्बोनेट एक सफेद, वायु में पिंगलने वाला अकार्बनिक योगिक होता है जो पाउडर और दाने के रूप में मिलता है पानी में घुलनशील और ऐल्कोहल में अघुलनशील होता है जिसका रासायनिक सूत्र K_2CO_3 है और इसका आईटी सी (एच एस) कोड 2836 40 00 है।

9. याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं भौतिक और तकनीकी गुणों, निर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमतों, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसे मानदंडों के अनुसार आयतित उत्पाद के समान होती है। दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से अदला बदली करने योग्य हैं।
10. **पोटाशियम कार्बोनेट मुख्यतः** टी वी पिक्चर ट्यूब के निर्माण, जी एल एस लैंप एवं ओप्थलमिक ग्लास, फर्टिलाइजर उद्योग, रबड उद्योग, कीटनाशक उद्योग, ड्रग एंड फार्मास्यूटिकल्स, रंजक और पोटाशियम आधारित रासायनिक उद्योगों में उपयोग में लाया जाता है।

ग. प्राधिकारी द्वारा जांच

11. वर्तमान याचिका पहले लगाए गए पाठन रोधी शुल्क की निर्णयिक समीक्षा के लिए है। पूर्व जांच परिणाम विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई मामला नहीं है। वर्तमान जांच चूंकि पाठन रोधी शुल्क की एक निर्णयिक समीक्षा जांच है, इसलिए प्राधिकारी का यह मानना है कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही रहेगा जैसा कि मूल जांच में था। इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने समीक्षा के दायरे में संशोधन (कटौती करने सहित) करने का अनुरोध करते हुए कोई संगत आग्रह नहीं किया है।
12. जांचने के बाद प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं संबद्ध देशों से आयतित वस्तुओं के समान ही हैं।

घ. घरेलू उद्योग और उसका आधार

13. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

- (i) वर्तमान याचिका गुजरात अल्कालीज एंड कैमिकल्स लिमिटेड द्वारा दायर की गई है जो भारत में विचाराधीन उत्पाद का घरेलू उद्योग है।
- (ii) याचिकाकर्ता के अलावा, भारत में पोटाशियम कार्बोनेट के दो अन्य ज्ञात उत्पादक हैं यथा- दि आंध्रा सूगर्स लिमिटेड और श्री रायलसीमा अल्कालीज एंड अलाइड कैमिकल्स लिमिटेड। श्री रायलसीमा की वाषिक रिपोर्ट में विचाराधीन उत्पाद के लिए क्षमता दर्शाई गई है लेकिन कोई उत्पाद नहीं दर्शाया गया। इसके अलावा इसमें पोटाशियम क्लोराइड के साथ-साथ कच्चा माल शीर्ष के तहत पोटाशियम कार्बोनेट दर्शाया गया है। अतः यह माना गया है कि श्री रायलसीमा ने बाजार में बिक्री के लिए विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं किया है। घरेलू उद्योग ने मैसर्ज दि आंध्रा सूगर्स लिमिटेड के बारे में सूचना दी है कि वे भी विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन एवं बिक्री कर रहे हैं, लेकिन भारतीय उत्पादन की कुल बिक्री का 26 प्रतिशत तक।
- (iii) याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा है। अतः वर्तमान याचिका नियमों के अनुसार वर्तमान याचिका दायर करने के आधार को पूरा करती है और याचिकाकर्ता 'घरेलू उत्पादन' करता है।
- (iv) वर्तमान याचिका निर्णयिक समीक्षा के लिए है। चूंकि यह निर्णयिक समीक्षा जांच है, इसलिए प्राधिकारी को वर्तमान याचिका दायर करने के लिए याचिकाकर्ता के आधार की जानकारी की आवश्यकता नहीं है।

विरोध करने वाले हितबद्ध पक्षकारों के विचार

14 किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग और आधार के दायरे के संबंध में कोई आग्रह नहीं किया है।

प्राथिकारी द्वारा जांच

15 यह याचिका गुजरात अल्कालीज एंड कैमिकल्स लिमिटेड द्वारा दायर की गई थी। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता के अलावा भारत में पोटाशियम कार्बोनेट के दो अन्य ज्ञात उत्पादक हैं यथा; दि आंध्रा सूगर्स लिमिटेड और श्री रायलसीमा अल्कालीज एंड अलाइड कैमिकल्स लिमिटेड। याचिकाकर्ता द्वारा पेश साक्ष्य से यह ज्ञात होता है कि मैसर्ज श्री रायलसीमा अल्कालीज एंड अलाइड कैमिकल्स लिमिटेड घरेलू बिक्री के लिए वस्तुओं का उत्पादन नहीं करता। इसके अलावा याचिकाकर्ता द्वारा पेश आंकड़ों से पता चलता है कि यहां तक कि यदि मैसर्ज श्री रायलसीमा अल्कालीज एंड अलाइड कैमिकल्स लिमिटेड की ज्ञात क्षमता भी इसके घरेलू उत्पादन के रूप में मानी जाए तो भी याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन का 74 प्रतिशत ही होगा। अतः याचिकाकर्ता के पास वर्तमान याचिका दायर करने के लिए आवश्यक आधार है और पाटन रोधी नियमों के तात्पर्य से 'घरेलू उद्योग' है।

पाटन का मूल्यांकन – कार्य प्रणाली एवं मानदंड

सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन

इ. सामान्य मूल्य

16. धारा 9 क (1) (ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातिक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातिक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातिक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:—
- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातिक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो ; अथवा
- (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामन्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ;

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातिक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

चीन के लिए सामान्य मूल्य

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

17. घरेलू उद्योग द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया गया है कि चीन जनतांत्रिक गणतंत्र को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए :

- (i) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा ऐसी स्थिति में नहीं दिया जा सकता जहां एक प्रमुख शेयरधारक किसी राज्य के स्वामित्व/ नियंत्रण वाली संस्था है – निर्दिष्ट प्राथिकारी और ई सी ने निरंतर यह पाया कि ऐसे मामले में राज्य के हस्तक्षेप की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। यह पाया गया कि यह केवल पूर्व

हस्तक्षेपों का ही प्रश्न नहीं है बल्कि पाटन रोधी शुल्क लगाए जाने के बाद, जो बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए जरुरी है, भविष्य में राज्य के संभावित हस्तक्षेपों की संभावनाएं भी हैं।

- (ii) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी चीनी निर्यातक यह सिद्ध न कर दे कि मुख्य निविष्टियों का मूल्य बाजार के मूल्यों के अनुसार पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित न हो—“बाजार के मूल्यों के अनुसार पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित” की व्यापक रूप से व्याख्या की गई है जिसका तात्पर्य है कि इन निविष्टियों के मूल्य अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित मूल्यों के अनुरूप होने चाहिए। यह तथ्य कि ये मूल्य चीन में प्रचलित मूल्य के तुलनीय हैं, बिल्कुल अपर्याप्त है।
- (iii) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध न कर दे कि उनकी बहियों की अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा की जा चुकी है—ऐसी स्थितियों में, जहां पर कि चीनी निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहे हैं कि उनकी बहियां अन्तर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों (आई ए एस) के अनुरूप हैं, बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार से इंकार किया जा सकता है। अन्तर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत वार्षिक रिपोर्ट में दर्शाई गई राजस्व और व्यय, परिसंपत्तियों और देयताओं की शुद्धता और पर्याप्तता सुनिश्चित करने के लिए है।
- (iv) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता, चाहे एक मानदंड की पूर्ति हो गयी हो—बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि प्रतिवादी चीनी निर्यातक नियमों में निविर्दिष्ट प्रत्येक मानदंड के संबंध में जांच में सफल न हो जाए। यह स्थिति माल की क्षति के लिए अपेक्षित जांच के बिल्कुल विपरीत है। यह पूरी तरह से मान्य स्थिति है कि क्षति का एक सकारात्मक जांच परिणाम दर्ज किया जा सकता है चाहे एक ही मानदंड की क्षति सिद्ध हो गई हो। इस प्रकार से यदि एक मानदंड क्षति के होने को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है तो बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा निरस्त करने के लिए भी केवल एक ही मानदंड में असफल होना पर्याप्त है।
- (v) जिम्मेदारी/ दायित्व – प्राधिकारी के लिए यह सिद्ध करना जरुरी नहीं है कि चीनी कंपनियां वास्तव में बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में प्रचलित हो रही हैं और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए पात्र हैं। इसके विपरीत चीनी निर्यातकों को यह सिद्ध करना है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचलित हो रही हैं।
- (vi) एक पूरे समूह से अनुरोध – बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी कंपनी और उसका पूरा समूह दावा न करे। यदि समूह की एक या अधिक कंपनियों ने अनुरोध दायर नहीं किया है तो बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा निरस्त कर दिया जाना चाहिए।
- (vii) परिवर्तन – ऐसी स्थिति में, जहां पर कि वर्तमान शेयरधारकों ने अपनी उत्पादन सुविधाएं स्वयं स्थापित नहीं की हैं लेकिन किसी अन्य पक्षकार से अर्जित की हैं, वहां पर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक कि परिवर्तन की प्रक्रिया दस्तावेजी साक्ष्य के माध्यम से पूरी तरह सिद्ध नहीं होती हो।

प्राधिकारी द्वारा जांच

18. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि चीन जनतांत्रिक गणतंत्र को भारत तथा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) के अन्य सदस्यों द्वारा पाटन रोधी जांच में एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है बशर्ते कि पाटन रोधी नियमों के तहत निर्यातक देशों या व्यक्तिगत निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा अनुमान का खंडन न कर दिया जाए।
19. पाटन रोधी नियमावली के अनुलग्नक 1 के पैरा 8 के अनुसार यदि चीन जनतांत्रिक गणराज्य से निर्यातक (कों)/उत्पादक (कों) द्वारा पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंड के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराए जाएं और तथ्यों को विपरीत सिद्ध करें तो एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था की

परिकल्पना समाप्त की जा सकती है। चीन जनतांत्रिक गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/ पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने आवश्यक हैं ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर यह विचार कर सके कि क्या:-

- (i) कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, आउटपुट, बिक्री और निवेश सहित मूल्यों, लागतों और निविष्टियों के बारे में चीन जनतांत्रिक गणराज्य में संबंधित फर्मों का निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निविष्टियों की लागतें वास्तविक रूप में बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं।
 - (ii) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती हैं, विशेषकर क्रृष्णों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनियम व्यापार तथा क्रृष्णों की क्षतिपूर्ति के माध्यम से तथा भुगतान के संबंध में।
 - (iii) ऐसी फर्मों दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती हैं जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है और
 - (iv) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं।
20. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए जांच आरंभ करने के नोटिस के परिणामस्वरूप किसी भी चीनी निर्यातक/ उत्पादक ने प्रश्नावली का उत्तर या बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और गैर बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना को समाप्त करने की मांग नहीं की है। किसी भी चीनी कंपनी ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली दाखिल नहीं की है अथवा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। याचिकाकर्ता ने भारत को किराए के देश के रूप में प्रस्ताव किया है। किसी भी पक्षकार द्वारा याचिकाकर्ता के दावे के विरोध में कोई टिप्पणी नहीं की है। अतः प्राधिकारी नियमानुसार अन्य उचित तरीके के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का प्रस्ताव करता है। प्राधिकारी द्वारा आंकलन किया गया प्रस्तावित सामान्य मूल्य नीचे पाठन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

छ. यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य और ताइवान के लिए सामान्य मूल्य

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

21. सामान्य मूल्य के संबंध में घरेलू उद्योग के निम्नलिखित अनुरोध हैं :

- i. यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य और ताइपेई के घरेलू बाजारों में संबंधित उत्पाद का मूल्य प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे। प्रकाशित स्रोतों से भी मूल्य का कोई साक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे। ऐसा कोई प्रकाशन भी नहीं है जो यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य और ताइवान में विचाराधीन उत्पाद की कीमतें उपलब्ध कराए।
- ii. उत्पाद की कीमतें सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि उत्पादक और ग्राहकों के बीच मूल्य का सौदा होता है और इसीलिए यह सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध नहीं है। इसे देखते हुए याचिकाकर्ता ने उपरोक्त देशों के लिए सुलभ सूचना के आधार पर उत्पादन की लागत के अनुमान के आधार पर बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों को जोड़कर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।
- iii. पोटाशियम क्लोराइड कच्ची सामग्री है जो कास्टिक पोटाश के उत्पादन के लिए उपयोग में लाया जाता है जिससे कि पाटिशियम कार्बोनेट तैयार किया जाता है। याचिकाकर्ता ने विशिष्ट ग्रेड के पोटाशियम क्लोराइड, जो कि कास्टिक पोटाश और उसके बाद पोटाशियम कार्बोनेट के उत्पादन में प्रयोग होता है, के आयात मूल्य से पोटाशियम क्लोराइड का मूल्य लिया है। पोटाशियम कार्बोनेट का मूल्य सभी अन्य व्ययों पर विचार करके 5 % के उचित लाभ के साथ याचिकाकर्ता की पोटाशियम कार्बोनेट के निर्माण की लागत के अनुसार तय किया गया है।

- iv. भारत में सभी ज्ञात आयातों के भारित औसत आयात मूल्य के आधार पर निर्यात मूल्य निर्धारित किया गया है। ये कीमतें आयातों का आकलन योग्य मूल्य हैं।
- v. संबद्ध देशों के लिए पाटन मार्जिन (यूरोपीय संघ को छोड़कर) महत्वपूर्ण हैं और न्यूनतम स्तरों से अधिक हैं।
- vi. पाटन मार्जिन के संबंध में सबसे महत्वपूर्ण बात विचाराधीन उत्पादन की लागत है जिसके लिए महत्वपूर्ण प्रश्न कैप्टिव इनपुट का मूल्यांकन है। प्रतिवादी निर्यातिक द्वारा दिया गया उत्तर कास्टिक पोटाश की कच्ची सामग्री के संबंध में है जो कि एक अलग उत्पाद है और जिसका महत्वपूर्ण वैश्विक बाजार है। याचिकाकर्ता वास्तव में बाजार में एक बहुत बड़ा भाग (वास्तव में अधिकांश भाग) बेच रहा है।
- vii. निर्यातिक ने तीसरे देश बाजारों अर्थात् भारत के अलावा अन्य बाजारों को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात के ब्यौरों पर प्रश्न से बचने का प्रयास किया है।

ज. कोरिया गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य

मैसर्ज यूएनआईडी कंपनी लि. के लिए सामान्य मूल्य

22. यूएनआईडी कंपनी ने उनके द्वारा निर्मित की गई और बेची गई संबद्ध वस्तुओं के घरेलू व निर्यात विक्रियों के ब्यौरे सहित एक प्रश्नावली दाखिल की थी। सामान्य मूल्यों की गणना करने के लिए संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री पर परिशिष्ट-1 में पुष्टि किए गए आंकड़ों के आधार पर विचार किया गया। यह कहा गया कि 100% संबद्ध वस्तुएं कंपनी द्वारा घरेलू बाजार में गैर मान्यता प्राप्त पक्षकारों को बेची गई हैं। यह पुष्टि की गई कि 100% घरेलू बिक्रियां लाभदायक बिक्रियां हैं और उन पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के प्रयोजन से विचार किया गया। प्राधिकारी द्वारा माल भाड़ा व्यय, उधार व्यय और पैकिंग व्यय जैसे समायोजनों के लिए दावों के अनुसार अनुमति प्रदान कर दी गई थी। उपरोक्त कारकों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी द्वारा किए गए आंकलन के अनुसार कारखाना बाह्य स्तर पर प्रस्तावित सामान्य मूल्य नीचे दी गई पाटन मार्जिन के अनुसार है:

कोरिया गणराज्य से अन्य सभी निर्यातिकों के लिए सामान्य मूल्य

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया से अन्य किसी भी निर्यातिक/उत्पादक ने प्राधिकारी को वर्तमान जांच में उत्तर नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी कोरिया से अन्य सभी निर्यातिकों के लिए भी कोरिया गणराज्य से सहयोगी निर्यातिकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य अपनाने का प्रस्ताव है।

झ. ताइवान (चीनी ताइवान) के लिए सामान्य मूल्य

24. मैसर्ज ताइवान पल्प एंड पेपर कारपोरेशन ने कुछ आंकड़ों के साथ प्रश्नाप्रवली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। उन्हें देख लिया गया था और उन्हें पूरी सूचना प्रस्तुत करने के लिए दिनांक 9.1.2015 को ई मेल के तहत सूचित कर दिया गया था। दिनांक 7.1.2015 के ई मेल के तहत भेजे गए एक पत्र में उन्होंने मौखिक सुनवाई में उपस्थित होने के लिए खेद व्यक्त करते हुए कहा था कि इस उत्पाद पर पाटन रोधी शुल्क काफी लंबे समय से जारी रहा है और इसे बिना आगे बढ़ाए वापस लिया जाए। चूंकि उनके प्रश्नावली उत्तर और प्रस्तुत आंकड़े पूर्ण नहीं थे इसलिए प्राधिकारी ने उत्तर को अस्वीकार करने का निर्णय लिया।
25. प्राधिकारी ने यह नोट किया कि ताइवान के किसी अन्य उत्पादक से निर्धारित फार्म और निर्धारित तरीके से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त न होने पर ताइवान में एक उत्पादक की प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उपलब्ध सर्वोत्तम सुलभ सूचना का भरोसा किया। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि उनके द्वारा जिस मूल्य पर ताइवान के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु का व्यापार किया जा रहा था उस मूल्य की कोई सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया गया था। ताइवान में प्रचलित संबद्ध वस्तुओं के मूल्य के कोई तर्कसंगत साक्ष्य प्राप्त करने का भी प्रयास किया गया। याचिकाकर्ता ताइवान के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं के मूल्यों का कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाए। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण, मूल्य परिकल्पना को लेकर करने का प्रस्ताव किया गया। प्राधिकारी द्वारा आकलित प्रस्तावित सामान्य मूल्य नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

ड यूरोपीय यूनियन के लिए सामान्य मूल्य

26. मै. पोटास ईटी प्रोज्यूट्स चिमिक्स, फ्रांस ने कुछ आंकड़ों के साथ-साथ प्रश्नावली का उत्तर दिया है। उसे देखा गया था और उन्हें दिनांक 27.1.2015 के ई-मेल द्वारा उनकी कमियों के बारे में सूचना दी गई थी। इन दस्तावेजों की जांच की गई थी और उनसे अनुरोध किया गया था कि वे दिनांक 3.3.2015 के ई-मेल के माध्यम से आगे सूचना दें। उन्होंने आंशिक आंकड़े को संलग्न करते हुए दिनांक 17.4.2015 के अपने ई-मेल द्वारा इसका उत्तर दिया है और कूरियर के द्वारा कुछ दस्तावेज भी भेजे हैं। इन दस्तावेजों की जांच की गई थी और यह नोट किया गया था कि उन्होंने पूर्ण सूचना का खुलासा नहीं किया है। चूंकि उत्तर अभी पूरा नहीं है, अतः उनके उत्तर को अस्वीकार किया गया है।

27. प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि निर्धारित रूप और तरीके से यूरोपीय यूनियन के किसी अन्य उत्पादक से कोई उचित उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में सामान्य मूल्य का निर्धारण यूरोपीय यूनियन में उत्पादक की प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विश्वास किया है। याचिकार्कर्ता ने दावा किया कि उस मूल्य जिस पर संबद्ध वस्तुओं का यूरोपीय यूनियन के घरेलू बाजार में व्यापार किया जा रहा था, के बारे किसी प्रकार की सूचना प्राप्त करने के लिए उनके द्वारा प्रयास किए गए थे। यूरोपीय यूनियन में संबद्ध वस्तुओं के प्रचलित मूल्य का कोई अन्य उचित साक्ष्य प्राप्त करने के लिए भी प्रयास किए गए थे। याचिकार्कर्ता यूरोपीय यूनियन के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं के मूल्य का साक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो पाए हैं। अतः प्राधिकारी का नियमों के अनुसार अन्य उपयुक्त पद्धति के आधार पर निर्धारित किए जाने का प्रस्ताव है। इस प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किए गए अनुसार प्रस्तावित सामान्य मूल्य नीचे पाटन मार्जिन की तालिका में दिया गया है।

ठ. कोरिया जन.गण के लिए निर्यात मूल्य

यूनिड कंपनी लि., कोरिया जन.गण. के लिए निर्यात मूल्य

28. यूनिड कंपनी ने उनके द्वारा विनिर्मित और बेचे गए संबद्ध वस्तुओं की घरेलू और निर्यात बिक्री के ब्यौरे वाली प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया। सामान्य मूल्य का निर्धारण परिशिष्ट-2 में दिए गए आंकड़ों के आधार पर किया गया है। किए गए दावे के अनुसार समायोजन नामतः अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़ा, क्रृष्ण के खर्चे, बैंक प्रभार, विदेशी बीमा, सीमाशुल्क, एजेंट का शुल्क, कमीशन, शुल्क वापसी और पैकिंग के खर्चे की अनुमति देने के बाद, इस प्राधिकारी द्वारा किए गए निर्धारण के अनुसार एक्स फैक्टरी स्तर पर प्रस्तावित निर्यात मूल्य नीचे पाटन मार्जिन की तालिका में दिया गया है।

कोरिया जन.गण. के अन्य सभी निर्यातक

29. कोरिया जन.गण. के अन्य सभी निर्यातकों जिन्हें असहयोगी निर्यातक के रूप में माना जाता है, के संबंध में प्राधिकारी इस नियमावली के नियम-6 (8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार उनके निवल निर्यात मूल्य का निर्धारण करने का प्रस्ताव करते हैं।

त. यूरोपीय यूनियन, ताइवान और चीन के लिए निर्यात मूल्य

30. चीन के निर्यातक ने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया। यूरोपीय यूनियन (फ्रांस) और ताइवान के निर्यातक ने उत्तर प्रस्तुत किया परंतु उन्होंने अपूर्ण आंकड़े दिए हैं; प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्यात मूल्य का निर्धारण किया है। आंकड़ों का मिलान सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार किया गया है। विश्लेषण के लिए आंकड़े डीजीसीआईएंडएस से लिए गए थे और उनका समायोजन निवल निर्यात मूल्य पर पहुंचने के लिए अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़ा, बैंक प्रभार, समुद्री बीमा, सीमाशुल्क एजेंट का शुल्क, कमीशन के लिए किया गया था।

थ. **पाटन मार्जिन**

31. एक्स फैक्टरी स्तर पर निर्धारित किए गए प्रस्तावित सामान्य मूल्य की तुलना पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए एक्स फैक्टरी स्तर पर निर्धारण किए गए संबंधित प्रस्तावित निवल निर्यात मूल्य के साथ की गई है। प्रस्तावित पाटन मार्जिन नीचे दिया गया है :-

पाटन मार्जिन की तालिका

क्र.सं	निर्यात का मार्ग	उत्पादक का नाम	निर्यातक	सामान्य मूल्य यूएस डॉलर/मी.ट.	निर्यात कीमत यूएस डॉलर/मी.ट.	पाटन मार्जिन यूएस डॉलर/मी.ट.	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज%
1	कोरिया गण.	यूनिड कं.लि.,, कोरिया गण.	यूनिड कं.लि.,, कोरिया गण.	***	***	***	***	(0 – 10)
2	कोरिया गण.	सभी अन्य उत्पादक	सभी अन्य उत्पादक	***	***	***	***	15-25
3	ईयू	सभी अन्य उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	***	***	(40-60)
4	चीन जन.गण.	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	***	***	(10 – 20)
5	ताइवान (चीनी ताइपेई)	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	***	***	20-30

कोरिया जन.गण. (यूनिट कंपनी को छोड़कर) और ताइवान के प्रस्तावित पाटन मार्जिन घटाए जाने पर भी बहुत अधिक हैं।

द. **हानि का निर्धारण और हानि की जांच तथा कारणात्मक संबंध**

विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का अनुरोध

32. हानि और कारणात्मक संबंध के बारे में विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के दृष्टिकोण नीचे दिए गए हैं :-

- दावा किए गए सभी हानि मानदंड प्रफोर्मा-IV-क में किए गए दावे के विरुद्ध हैं।
- अंतिम समीक्षा जांच शुरू करवाने के उद्देश्य से, घरेलू उद्योग ने जानबूझकर गलत और अपूर्ण सूचना दी है तथा बाद में जांच की अवधि के लिए याचिका के साथ उसी संलग्न प्रफोर्मा IV-क के साथ और अधिक सूचना दी।
- बिक्री की लागत 31 प्रतिशत तक बढ़ गई है जबकि बिक्री की उसी अवधि के दौरान प्राप्ति 74 प्रतिशत तक बढ़ी है।
- घरेलू उद्योग जांच की अवधि के दौरान अच्छा लाभ अर्जित करता रहा है। घरेलू उद्योग पर मूल्य का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।
- घरेलू उद्योग ने 22 प्रतिशत से अधिक आरओसीई अर्जित किया है, यह स्पष्ट संकेत है कि घरेलू उद्योग कोरिया से आयात द्वारा प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं हुआ है।
- यद्यपि, यह दावा किया गया है कि मूल्य में मामूली कटौती हुई है, फिर भी घरेलू उद्योग यह सिद्ध नहीं कर सका कि मूल्य की कटौती से घरेलू उद्योग को हानि हो रही है। इसके अलावा, आयात द्वारा मूल्य की कटौती के दावे गलत हैं।

- vii. पाटन के दावे निराधार हैं—तथ्यों के आधार पर नहीं हैं बल्कि काल्पनिक अनुमान के आधार पर हैं।
- viii. विक्री की प्राप्ति और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में धनात्मक प्रवृत्ति जांच अवधि के बाद भी जारी रही है। तदनुसार, पाटन और हानि की कोई संभावना नहीं है।

घरेलू उद्योग का अनुरोध

33. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोध में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित तर्क दिया है :—

- i. मांग/खपत हानि की अवधि के दौरान बढ़ी है।
- ii. संबद्ध देशों से आयात बहुत अधिक रहा है और वास्तव में जांच की पूरी अवधि में बढ़ा है। इसके अलावा, संबद्ध देशों (यूरोपीय यूनियन को छोड़कर) से संबद्ध वस्तुओं का औसत आयात मूल्य घरेलू उद्योग की विक्री मूल्य से कम रहा है।
- iii. आयात में मूल जांच के आधार वर्ष से बहुत अधिक वृद्धि हुई है। यह वृद्धि मांग में वृद्धि से बहुत अधिक है जो इस परिस्थिति को देखते हुए विशिष्ट स्थिति है कि पाटनरोधी शुल्क लागू रहा है।
- iv. आयात का अवतरित मूल्य 2012-13 से विक्री की लागत और विक्री मूल्य के स्तर से नीचे रहा है। इस प्रकार आयात से मूल्य में अवरोध पैदा होने की संभावना है।
- v. घरेलू उद्योग ने जांच की पूरी अवधि के दौरान उस क्षमता को बनाए रखा। घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता का उपयोग और घरेलू विक्री पाटनरोधी शुल्क के लगाए जाने और मांग में वृद्धि के बावजूद जांच अवधि के दौरान कम हुई है।
- vi. घरेलू उद्योग की विक्री की लागत और विक्री का मूल्य जांच की अवधि में बढ़ा है। अप्रैल 13-सितंबर, 13 एक अलग अवधि थी और इसलिए जांच की अवधि उस वास्तविक हानि को नहीं दर्शाएगी जो घरेलू उद्योग को हुई है।
- vii. जांच की अवधि के बाद की अवधि का विश्लेषण करने से यह पता चलता है कि विक्री की लागत में और अधिक वृद्धि हुई है। हालांकि विक्री की कीमत में गिरावट आई है जिसके फलस्वरूप इस अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा घाटे को उठाना पड़ रहा है।
- viii. निम्न मूल्य और पाटित आयात की विशाल मात्रा के कारण, बाजार हिस्से का बहुत बड़ा भाग संबद्ध देशों से आयात द्वारा कब्जा कर लिया गया है। इसके अलावा, क्षमताओं और मांग के बावजूद, घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा बहुत कम रहा है और पाटित आयात का हिस्सा बढ़ा है।
- ix. घरेलू उद्योग की प्रतिदिन उत्पादकता घरेलू उद्योग के उत्पादन में सतत गिरावट के अनुरूप जांच की पूरी अवधि में कम हुआ है। घरेलू उद्योग के पास माल भंडार का स्तर जांच की पूरी अवधि के दौरान बहुत अधिक रही है।
- x. घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव अधिक है।
- xi. एनआईपी और हानि का मार्जिन का निर्धारण बाजार मूल्य पर कैप्टिव इनपुट को विचार करने के बाद किया जाना अपेक्षित है।
- xii. अप्रैल, 13-सितंबर, 13 की अवधि बिल्कुल अलग अवधि है क्योंकि उस अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के कच्चे माल की आपूर्ति में बहुत अधिक कमी थी। अर्थात् वैश्विक बाजार में अप्रैल, 13 से सितंबर, 13 की अवधि में पोटेशियम क्लोराइड की बहुत अधिक कमी थी जिसके फलस्वरूप विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में कमी आई। इससे विचाराधीन उत्पादन की कीमतों में भी बहुत अधिक वृद्धि हुई। अनुकूल बाजार स्थिति होने के बावजूद याचिकाकर्ता अपने उत्पादन को कम करने के लिए मजबूर हुआ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

34. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपने अनुरोध में प्रस्तुत किए गए विभिन्न तर्कों पर विचार किया है और घरेलू उद्योग को हानि जारी रहने के मुद्दे की जांच इस प्राधिकारी के समक्ष दिए गए इन तर्कों के आलोक में की गई है।

अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह प्रावधान है कि हानि के किसी निर्धारण में उन कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को हानि को दर्शाते हैं,

किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा,..." सभी संगत कारकों जिसमें पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव पर विचार करते हुए ..." कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय, इस बात की जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत से तुलना करने पर पाटित आयातों द्वारा बहुत अधिक मूल्य की कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, वृद्धि रुक गई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव, एवं (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच का प्रावधान है। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कि पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

35. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

36. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने ऊपर नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार ऐसे सूचकांकों पर विचार किया है जिसका उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री की प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन के रूप में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो।

37. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्कों की एक अंतिम समीक्षा है। नियम 23 में यह प्रावधान है कि नियम 11 के प्रावधान समीक्षा के मामले में भी आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे। इस कारण से प्राधिकारी ने अनुबंध-II के साथ पठित नियम-11 के प्रावधानों पर आवश्यक परिवर्तनों सहित विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई हानि का निर्धारण किया है। इसके अलावा, चूंकि पाटनरोधी शुल्क विचाराधीन उत्पाद के आयात पर लागू हैं अतः प्राधिकारी इस बात पर विचार करते हैं कि संबद्ध देशों से इस उत्पाद के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के तथ्य पर घरेलू उद्योग को हानि की जांच करते समय विचार किया जाना अपेक्षित है। प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय पाटन से होने वाले नुकसान को दूर करने के लिए आवश्यक है।

38. सीमा-शुल्क अधिनियम की धारा 9(क) (5) के अनुसार, लगाए गए पाटनरोधी शुल्क, यदि पूर्व में समाप्त नहीं किया गया होता, का इस प्रकार के आरोपण की तिथि से 5 वर्षों के समाप्त होने पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा बर्ते कि यदि केन्द्र सरकार का किसी समीक्षा में यह मत हो कि ऐसे शुल्क को समाप्त करने से पाटन और हानि के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है, उस मामले में केन्द्र सरकार समय-समय पर ऐसे करारोपण की

अवधि को 5 वर्षों की अतिरिक्त अवधि तक बढ़ा सकती है और ऐसी बढ़ाई गई अतिरिक्त अवधि इसके विस्तार के आदेश की तिथि से शुरू होगी।

39. वर्तमान हानि के विश्लेषण के प्रयोजन से, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात की मात्रा और मूल्य पर प्रभाव और इसका मूल्य एवं लाभप्रदता पर प्रभाव की जांच की है ताकि पाठन और हानि के बीच कारणात्मक संबंध अथवा हानि की मौजूदगी, यदि कोई हो, की जांच की जा सके।

40. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों के दृष्टिकोणों पर उस सीमा तक विचार किया है जिस सीमा तक उसे वर्तमान जांच से संबंधित पाया गया है और उसका उपयुक्त रूप से समाधान किया है। प्राधिकारी ने इस नियमावली के अनुसार हानि के मानदंडों का भी विश्लेषण किया है। गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने गोपनीयता की अनुमति, जहां भी आवश्यक हुआ दी है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है तथा इसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराएं। तदनुसार, पाटित आयातों की मात्रा और मूल्य के प्रभाव की जांच नीचे दिए गए अनुसार की गई है।

ध. मात्रा का प्रभाव

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की मात्रा का प्रभाव

41. संबद्ध देशों से पाटित आयातों तथा अन्य देशों से आयातों की मात्रा के प्रभाव की जांच इस प्राधिकारी द्वारा नीचे दिए गए अनुसार की गई है:—

मांग और बाजार हिस्सा :

42. मांग और बाजार हिस्से का निर्धारण करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने भारतीय उत्पादकों की बिक्री और विभिन्न स्त्रों से आयातों पर विचार किया है। भारत में इस उत्पाद की मांग की गणना भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और विभिन्न देशों से ज्ञात आयातों के योग के रूप में की गई है। इस प्रकार आकलित मांग नीचे दी गई तालिका में दर्शायी गई है:—

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	11,494	9,841	6,999	6,222
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	2,005	2,005	2,206	2,206
संबद्ध देश	मी.ट.	7944	9123	11403	11754
अन्य देश	मी.ट.	5,397	7,794	6,537	7315
मांग/खपत	मी.ट.	26,840	28,764	27,145	27,497
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	42.82	34.21	25.78	22.63
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	7.47	6.97	8.13	8.02
संबद्ध देश	%	29.60	31.72	42.01	42.75
अन्य देश	%	20.11	27.10	24.08	26.60

43. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं की स्पष्ट खपत 2012-13 को छोड़कर जांच की अवधि में लगातार बढ़ी रही है। संबद्ध देशों से आयात का बाजार हिस्सा जांच की अवधि में बढ़ा है।

संबद्ध देशों के आयात की मात्रा और हिस्सा

44. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस तथ्य पर विचार करे कि क्या पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनंत्रंध-II (ii) में निम्नलिखित प्रावधान है :

“पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस तथ्य पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में हुई है।”

45. डी जी सी आई एंड एस और उत्तर देने वाले निर्यातक द्वारा दिए गए आंकड़ों पर विचार करते हुए हानि की अवधि के लिए आयात की मात्रा नीचे दी गई है:

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
ताईवान	मी.ट.	-	-	240	680
कोरिया	मी.ट.	6321	7834	9103	9675
चीन	मी.ट.	186	-	20	150
ईयू	मी.ट.	1437	1289	2280	1929
कुल संबद्ध देश	मी.ट.	7944	9123	11403	11754
अन्य देश	मी.ट.	5,397	7,794	6,537	7315
कुल आयात	मी.ट.	13,341	16,917	17,940	19,069

46. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से आयात बहुत अधिक रहा है और जांच की पूरी अवधि के दौरान वास्तव में इसमें वृद्धि हुई है। आयात की मात्रा स्वतंत्र रूप में और भारत में खपत की तुलना में भी पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने के बावजूद बढ़ा है।

मांग में बाजार हिस्सा

47. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव को नीचे तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
घरेलू उद्योग	%	42.82	34.21	25.78	22.63
अन्य उत्पादक	%	7.47	6.97	8.13	8.02
संबद्ध देश आयातक	%	29.60	31.72	42.01	42.75
अन्य देश आयातक	%	20.11	27.10	24.08	26.60
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

48. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि संबद्ध आयातों का हिस्सा जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक बढ़ गया है।

न. कीमत का प्रभाव

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की कीमत का प्रभाव

49. मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, इस नियमावली का अनुबंध-II (ii) में निम्नलिखित का निर्धारण किया गया है :

“नियम 18 के उप नियम (ii) में दिए गए संदर्भ के अनुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा पर्याप्त मूल्य कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में कीमत में रूकावट आएगी अथवा कीमत में वृद्धि रुकेगी जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक हो जाती ”

50. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत की कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत में ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के उद्देश्य से घरेलू उद्योग के उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और भारित औसत क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के अवतरित लागत से की गई है।

कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री

(क) ताइवान

	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
आयातों की पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)	%	***	***	***	***

(ख) ई यू

	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
आयातों की पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)	%	(204.97)	(208.90)	(158.34)	(114.67)

(ग) चीन जन.गण.

	इकाई	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
आयातों की पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	रु./मी.ट.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)	%	%	(8.87)		28.40	(15.17)

(घ) कोरिया गण.

	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	POI
आयातों की पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)	%	(1.24)	4.46	5.55	9.87

जांच की अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री

विवरण	इकाई	ई यू	चीन जन.गण.	ताइवान	कोरिया गण.
क्षतिरहित कीमत	अम.डॉ./मी.ट.	***	***	***	***
पहुंच कीमत	अम.डॉ./मी.ट.	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	अम.डॉ./मी.ट.	***	***	***	***

कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री %	रेंज	(60-70)	(30-40)	15-25	(10-20)

कीमत में ठहराव और कमी

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	117	147	174

51. इस संबंध में प्राथिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं :-

- क. कि जांच की अवधि के दौरान कीमत में कटौती ताइवान और कोरिया के लिए सकारात्मक है।
- ख. चीन और यूरोपीय यूनियन से आयात की अवतरित कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अधिक रही है।
- ग. कि उत्पादन की लागत और बिक्री कीमत दोनों जांच की अवधि के दौरान बढ़ी है और बिक्री की कीमत में वृद्धि बहुत अधिक हुई है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि ये आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में ठहराव/कमी पैदा नहीं कर रही थी।

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंडों की जांच

52. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षा है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, इस नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव ढालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा। हालांकि वर्तमान जांच एक अंतिम समीक्षा जांच होने के कारण घरेलू उद्योग को हानि का आवश्यक परिवर्तन सहित आकलन किए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्राथिकारी ने इस बात की जांच की है कि मौजूदा उपाय पाटन जिससे नुकसान हो रहा है, का सामना करने के लिए पर्याप्त रहा है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न हानि मानदंडों की चर्चा नीचे की गई है।

बिक्री, क्षमता, उत्पादन और क्षमता का उपयोग

53. बिक्री, क्षमता, उत्पादन और क्षमता का उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन नीचे दिया गया है :

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच अवधि
क्षमता	मी.ट.	***	***	***	***
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
बिक्री मात्रा		***	***	***	***
घरेलू	मी.ट.	***	***	***	***
निर्यात	मी.ट.	***	***	***	***

54. यह देखा जाता है कि :

- क. घरेलू उद्योग ने हानि की पूरी अवधि के दौरान उस क्षमता को बनाये रखा।
- ख. घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू विक्री 2012-13 तक घटी है और जांच की अवधि में आंशिक रूप से बढ़ी है।

लाभ, निवेश पर लाभ एवं नकदी का प्रवाह

55. घरेलू उद्योग का विक्री की लागत, विक्री मूल्य और लाभ / हानि का विश्लेषण नीचे दिये गए अनुसार किया गया है:-

विवरण	ईकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
विक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	145	131
विक्री मूल्य	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	147	174
लाभ/हानि	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	3,430	147	10,898
लाभ/हानि	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	2,924	90	5,876
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	2,717	108	5,163
नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	7,763	288	15,475
निवेश पर लाभ	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	2,541	105	5,502

56. यह देखा जाता है कि :

- क. विक्री की लागत में 2012-13 तक वृद्धि हुई परन्तु जांच की अवधि में इस में गिरावट आई है।
- ख. घरेलू उद्योग का विक्री मूल्य जांच की अवधि में बढ़ा है।
- ग. घरेलू उद्योग को पूर्व में 2010-11 में घाटा हो रहा था परन्तु इसने 2011-12 में लाभ कमाना शुरू किया जो बाद में जांच की अवधि तक बढ़ा। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि कंपनी में लाभ अधिकांशतः काष्ठिक पोटाश (के ओ एच) जो विचाराधीन उत्पाद के लिए एक इन्टरमीडिएट कच्चा माल है परन्तु जिसका अपना निजी स्वतंत्र बाजार भी है, कि विक्री में लाभ है याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया कि जांच की अवधि के भाग अर्थात् 13 अप्रैल से 13 सितम्बर के दौरान वैश्विक बाजार में पोटाशियम क्लोराइड (मूलभूत कच्चे माल में से एक) की आपूर्ति की कमी थी जिसके फलस्वरूप काष्ठिक पोटाश की कीमतों में वृद्धि हुई। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि विचाराधीन उत्पाद का आयात उस मूल्य पर किया जा रहा था जो के ओ एच के मूल्य का समर्थन नहीं करता था और जिससे विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में गिरावट आई। यद्यपि विचाराधीन उत्पाद की कीमतों में वृद्धि हुई परन्तु याचिकाकर्ता के ओ एच के मूल्य पर विचार करते हुए विचाराधीन उत्पाद के अलाभप्रद मूल्य को देखते हुए इसके उत्पादन को कम करने के लिए बाध्य हुआ तथापि इन्टरमीडिएट कच्चा माल बाजार में अधिक लाभप्रद था।

घ. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इसके फलस्वरूप, नगद लाभ और निवेश पर लाभप्रदता में वृद्धि के साथ जांच की अवधि के दौरान बढ़ी है। घरेलू उद्योग द्वारा वर्ष 2010-11 में अर्जित लाभ और निवेश पर लाभ बहुत कम था जिसके फलस्वरूप जांच की अवधि में उच्च आंकड़ों को सूचीबद्ध करना पड़ा।

माल सूची

57. संबद्ध वस्तु की माल सूची के संबंध में आकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाये गये हैं :-

विवरण	ईकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
प्रारंभिक भंडार	मी.ट.	***	***	***	***
अंतिम भंडार	मी.ट.	***	***	***	***
औसत भंडार	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	90	74

58. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के पास माल सूची जांच की अवधि के दौरान कम हुई है।

रोजगार एवं मजदूरी

रोजगार और मजदूरी के संबंध में स्थिति नीचे दी गई है:

विवरण	ईकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	127	127
मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	84	103

59. उपर्युक्त तालिका का विश्लेषण यह दर्शाता है कि कामगारों की संख्या में जांच की अवधि के दौरान मजदूरी के साथ-साथ वृद्धि हुई है। चूंकि घरेलू उद्योग एक बहु-उत्पाद कंपनी है और इस कारण से यह इन मानदंडों के लिए सकारात्मक प्रवृत्तियों को दर्शाता है।

उत्पादकता

उत्पादकता से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित को दर्शाते हैं:

विवरण	ईकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
प्रति दिन उत्पादकता	मी.ट./प्रति दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	53	59
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	132	118

60. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सतत गिरावट के अनुरूप जांच की पूरी अवधि के दौरान गिरावट आई है।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

61. इन कारकों जैसे संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात मूल्य, लागत संरचना में परिवर्तन और घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा पर विचार करने से घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विश्लेषण दर्शाता है कि ताइवान से आयात किये गये माल का अवतरित मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री मूल्य से कम है जिससे भारतीय बाजार में मूल्य में कटौती की स्थिति उत्पन्न हो रही है। भारतीय उत्पादकों के मूल्य के लिए मानदंड संबद्ध देशों सहित विभिन्न स्रोतों से आयात मूल्य है। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य विकल्प नहीं है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग जांच की अवधि के दौरान सतत नहीं है इसलिए मांग एक कारक हो सकता है जिसका घरेलू कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रकार से घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारक घरेलू उद्योग के आयात का अवतरित मूल्य और उत्पादन की लागत है।

वृद्धि

62. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मानदंडों की जांच करने पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर घरेलू उद्योग को उत्पादन, बिक्री, क्षमता का उपयोग और बाजार हिस्सा के मामले में प्रतिकूल विकास की हानि उठानी पड़ी है। लाभ, नगद लाभ और निवेश पर लाभ जैसे मानदण्डों ने धनात्मक विकास को दर्शाया है।

हानि का समग्र आकलन

63. उपर्युक्त को देखते हुए, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से आयात में पूर्ण रूप से वृद्धि हुई है और साथ ही भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग और उत्पादन की तुलना में भी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की बिक्री में बहुत अधिक गिरावट आई है जबकि लाभप्रदता, नगद लाभ और निवेश पर लाभ में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद की कीमतें कास्टिक पोटाश, जो एक कच्चा माल है, के लिए बाजार मूल्य की तुलना में लाभप्रद नहीं थी। उन्होंने अनुरोध किया है कि कास्टिक पोटाश का कैप्टिव उपयोग बाजार मूल्य पर किया जाए हालांकि स्थापित परम्परा के अनुसार प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा रखे गये रिकार्डों के अनुसार उत्पादों की अपनी लागत कैप्टिव इनपुट पर विचार किया है। यह निष्कर्ष निकाला गया है कि घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन मात्रा के मानदंड के संबंध में खराब हुआ और मूल्य के मानदंड के संबंध में अच्छा हुआ। आयात से प्रचलित पाटनरोधी शुल्क के बावजूद इस बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। इस प्रकार ताइवान और कोरिया से पाटनरोधी शुल्कों की समाप्ति से संभवता इस बाजार में घरेलू उद्योग के मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा और इसके फलस्वरूप सम्भवतः मूल्य में बहुत अधिक अवरोध आयेगा।

क्षति का आकार और क्षति का मार्जिन

64. जैसा कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का अहानिकर मूल्य की तुलना जांच की अवधि के दौरान हानि के मार्जिन के निर्धारण के लिए आयात के अवतरित मूल्य से की गई है जिसका उल्लेख नीचे किया गया है।

क्रम सं.	निर्यात का मार्ग	उत्पादक का नाम	निर्यातक	एन आई पी यू एस डॉलर प्रति मी.ट.	अवतरित आयात मूल्य यू एस डॉलर प्रति मी.ट.	हानि का मार्जिन यू एस डॉलर प्रति मी.ट.	हानि का मार्जिन%	हानि का मार्जिन रेंज
1	कोरिया जन गण	यूनिड कंपनी लिमिटेड, कोरिया जन गण	यूनिड कंपनी लिमिटेड, कोरिया जन गण	***	***	***	***	(10-20)
2	कोरिया जन गण	अन्य सभी उत्पादक	अन्य सभी उत्पादक	***	***	***	***	0-10
3	यूरोपीय यूनियन	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	***	***	(20-30)

4	चीन जन गण	सभी उत्पादक	सभी नियर्यातक	***	***	***	***	(30-40)
5	ताइवान (चीनी ताइपेई)	सभी उत्पादक	सभी नियर्यातक	***	***	***	***	10-20

कारणात्मक संबंध

65. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी से अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों के अलावा किसी ज्ञात कारकों की जांच करना आपेक्षित है जो साथ-साथ घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचा रहे हैं ताकि इन अन्य कारकों द्वारा की गई हानि को पाटित आयात पर नहीं डाला जा सके। वे कारक जो इस संबंध में संगत हो सकते हैं उनमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटित मूल्य पर न बेची गई आयात की मात्रा और मूल्य, मांग में कमी अथवा उपभोग के पैटर्न में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबद्धत्मक प्रथाओं और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी का विकास और नियर्यात कार्य निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल हैं। यह जांच की गई थी कि क्या इस नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध इन अन्य मानदंडों ने घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचाने में सहायता की है।

- क. पाटित मूल्य पर न बेची गई आयात की मात्रा और मूल्य: अन्य देशों से अपेक्षाकृत अधिक मूल्य पर आयात होता है।
- ख. मांग में कमी: - प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में हानि की पूरी अवधि के दौरान एक सकारात्मक वृद्धि दर्शायी है। इस कारण से मांग में कमी एक संभावित कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को हानि हो सकती थी।
- ग. उपभोग के पैटर्न में परिवर्तन:- विचाराधीन उत्पाद के संबंध में उपभोग का पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। उपभोग के पैटर्न में परिवर्तन से संभवतः घरेलू उद्योग को कोई हानि नहीं होगी।
- घ. विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं और उनके बीच प्रतिस्पर्धा: - कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को हानि हो सकती है।
- ङ. प्रौद्योगिकी का विकास:- यह नोट किया जाता है कि इस उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई बहुत बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है और न ही भविष्य में होने वाला है। अतः प्रौद्योगिकी का विकास हानि का कोई संभावित कारक नहीं प्रतीत होता है। घरेलू उद्योग विगत कई वर्षों से विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन कर रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई जाने वाली प्रौद्योगिकी पूरे विश्व में अन्य उद्योगों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रौद्योगिकी से तुलनीय है।
- च. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों का कार्य निष्पादन : - घरेलू उद्योग बहु उत्पाद कंपनियां हैं। हालांकि हानि का विश्लेषण केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किया गया है।
- छ. उत्पादकता:- यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार आया है। इस प्रकार उत्पादकता में कमी घरेलू उद्योग को हानि का एक कारण प्रतीत नहीं होता है।

पाटन और हानि के जारी रहने अथवा उसके पुनः होने की संभावना

66. प्राधिकारी की यह टिप्पणी थी कि यह एक अन्तिम समीक्षा जांच है और इस जांच का ध्यान शुल्कों को हटाये जाने, यद्यपि वर्तमान में कोई हानि नहीं हुई है, की स्थिति में हानि की संभावित परिदृश्य की जांच करना है। इसके लिए हम जांच की अवधि के बाद और तीसरे देश के आंकड़ों पर विश्लेषण के लिए विश्वास कर रहे हैं।

घरेलू उद्योग का अनुरोध

67. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोध में दावा किया है कि अंतिम समीक्षा के अन्तर्गत आवश्यकता इस बात की जांच करने की है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को निरस्त करने से घरेलू उद्योग को हानि जारी रहने अथवा उसके पुनः होने की संभावना है और इस कारण से कोई भी जांच जो खतरे के विश्लेषण के लिए सूचीबद्ध कारकों के आधार पर नहीं है, दोषपूर्ण होगी।

68 सतत पाटन और हानि की जांच करने के अलावा, घरेलू उद्योग को पाटन और हानि के जारी रहने अथवा उसके होने की संभावना की भी जांच इस प्राधिकारी द्वारा उन सूचना और साक्ष्य के आधार पर की गई है जिसे जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

69 पाटन और हानि की संभावना अथवा उनके पुनः होने के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किये गये हैं:

- i. पूर्व की जांच में और वर्तमान याचिका में निर्धारित पाटन मार्जिन सकारात्मक और अधिक है (यूरोपीय युनियन को छोड़कर) और यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पाटन रोधी शुल्क को समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में पाटन और उसके फलस्वरूप नुकसान होने की संभावना है।
- ii. पाटन रोधी शुल्क के लागू रहने के बावजूद, निर्यातक अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में वस्तुओं को पाटित करना जारी रख रहे हैं। यह तथ्य अपने आप में यह सिद्ध करता है कि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने से आगे और अधिक पाटन होगा।
- iii. याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों से तीसरे देशों में विचाराधीन उत्पाद के निर्यात के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है। पाटन मार्जिन यूरोपीय युनियन को छोड़कर सभी संबद्ध देशों से बहुत अधिक है।
- iv. संबद्ध विदेशी उत्पादक के पास विशाल उत्पादन क्षमता है। यह अनुरोध है कि वर्तमान शुल्क को समाप्त किये जाने की स्थिति में, संबद्ध देशों से पाटन संभवतः बढ़ेगा और इससे घरेलू उद्योग को नुकसान होगा।
- v. सांगडोंग ल्यूनान कैमिकल टैक्नोलॉजी लिमिटेड जो संबद्ध वस्तुओं का चीन का एक उत्पादक और निर्यातक है, अपनी उत्पादक क्षमता अपनी वैबसाइट पर वार्षिक रूप से 40000 टन पोटेशियम कारबोनेट बताता है। यह अकेले संबद्ध वस्तुओं की भारत की वार्षिक मांग को पूरा करने में सक्षम है।
- vi. विदेशी उत्पादक गहन रूप से निर्यात पर केन्द्रित है। शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में ये निर्यातक संभवतः पाटित मूल्य पर भारत में अपना निर्यात बढ़ा देंगे। संबद्ध देशों से विश्व में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात बहुत अधिक है।
- vii. **बिना पाटन रोधी शुल्क** के मूल्य में कटौती जांच की अवधि में बहुत अधिक है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि यदि पाटन रोधी शुल्क जो वर्तमान में लागू है, को समाप्त होने की अनुमति दी जाती है तब आयात से मूल्य में भीषण कटौती होगी जिससे घरेलू उद्योग को बहुत अधिक नुकसान होगा।
- viii. जिस मूल्य पर संबद्ध वस्तुओं का आयात किया जा रहा है वह उस मूल्य से बहुत अधिक कम है जिस पर इन वस्तुओं को घरेलू बाजार में बेचा जा रहा है। अतः शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में, संबद्ध देशों से निर्यातक अपने पास बहुत अधिक क्षमता को देखते हुए भारतीय बाजार में और आगे अपने उत्पाद को भेजेंगे।
- ix. वर्तमान पाटन रोधी शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में और यदि घरेलू उद्योग आयात मूल्य पर बेचने के लिए मजबूर होता है तब लाभ प्रदाता में और गिरावट आयेगी। इसके अलावा यदि घरेलू उद्योग उसी स्तर पर अपने मूल्य को कायम रखने का विकल्प अपनाता है तब घरेलू और आयात के मूल्य के बीच पर्याप्त मूल्य अंतर को देखते हुए, आयात की मात्रा में वृद्धि होगी। इससे घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन और क्षमता और उपयोग में और अधिक गिरावट होने की संभावना है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 70 प्राधिकारी के ध्यान में लाये गये सभी कारकों की जांच इस बात का निर्धारण करने के लिए की गई है कि **क्या शुल्क** के समाप्त किये जाने की स्थिति में हानि होने की संभावना है। प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि **क्या घरेलू उद्योग** को नुकसान यदि **शुल्क** समाप्त हो जाता है, तब इन आयातों के कारण फिर से होने की संभावना है।
- 71 प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के तर्क की जांच की है और पाटन और हानि के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना की जांच की है। चूंकि यह एक अंतिम समीक्षा है, अतः जांच की अवधि के बाद और तीसरे देश के

निर्यात के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया था। अलग-अलग देशों के व्यापार के आंकड़ों पर विचार जांच की अवधि के बाद के विश्लेषण के लिए किया गया है और तीसरे देश के निर्यात आंकड़ों को विश्व व्यापार एटलस से लिया गया है। कोरिया से उत्तर देने वाले निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किये गये आंकड़ों पर भी विचार कोरिया के संबंध में संभावना का विश्लेषण करने के लिए किया गया है जो कोरिया में बहुत बड़ा उत्पादक भी है।

कोरिया गणराज्य-जांच की अवधि के बाद विश्लेषण

जांच की अवधि के बाद (अप्रैल 2014 से सितम्बर 2014) हानि का मार्जिन

विवरण	ईकाई	कोरिया
जांच की अवधि के बाद के लिए एन आई पी	डालर प्रति मी.ट.	***
अवतरित आयात मूल्य	डालर प्रति मी.ट.	***
हानि का मार्जिन	डालर प्रति मी.ट.	***
हानि का मार्जिन	%	(14.70)

जांच की अवधि के बाद (अप्रैल 2014 से सितम्बर 2014) पाटन मार्जिन

विवरण	यू ओ एम	मूल्य
सामान्य मूल्य	यू एस डालर प्रति मी.ट.	***
निर्यात मूल्य	यू एस डालर प्रति मी.ट.	***
पाटन मार्जिन	यू एस डालर प्रति मी.ट.	***
पाटन मार्जिन %	%	(0.59)

72. कोरिया के मामले में पाटन मार्जिन और हानि की मार्जिन जांच की अवधि के बाद क्रृष्णात्मक है

जांच की अवधि में और जांच की अवधि के बाद कोरिया जन गण – तीसरे देश का विश्लेषण

73. कोरिया से भारत को छोड़कर विश्व के शेष भाग (आर ओ डब्ल्यू) को सहकारी निर्यातिक के निर्यात का विश्लेषण किया गया है और प्राधिकारी ने नोट किया कि आर ओ डब्ल्यू को निर्यात की गई कुल मात्रा में से, जांच की अवधि के दौरान 44025 मी.ट. (75%) और जांच की अवधि के बाद के दौरान 28120 मी.ट. (82%) पाटित मूल्य पर की गई थी। इसके अलावा प्राधिकारी ने इस बात का विश्लेषण किया कि क्या इस प्रकार के पाटित वस्तुओं का यदि भारत को निर्यात किया जाये, घरेलू उद्योग को नुकसान पहुँचेगा। प्राधिकारी इस विश्लेषण से नोट करते हैं कि उपर्युक्त मात्रा में से, जांच की अवधि के दौरान आर ओ डब्ल्यू को कुल निर्यात का 9268 मी.ट. (16%) और जांच की अवधि के बाद के दौरान 11993 मी.ट. (35%) से घरेलू उद्योग का नुकसान पहुँच सकता है यदि इसे भारत की ओर परिवर्तित किया जाये।

जांच की अवधि में और जांच की अवधि के बाद चीन जन गण – तीसरे देश का विश्लेषण

74. चीन जन गण का भारत को छोड़कर विश्व के शेष भाग (आर ओ डब्ल्यू) को तीसरे देश के निर्यात जिसे वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों से लिया गया है, का भी विश्लेषण किया गया है। इस विश्लेषण से यह यह पता चला कि आर ओ डब्ल्यू को निर्यात की गई कुल मात्रा में से, जांच की अवधि के दौरान 4353मी.ट. (59%) और जांच की अवधि के बाद के दौरान 1637मी.ट. (39%) पाटित मूल्य पर की गई थी। इस बात का पता लगाने के उद्देश्य से कि क्या इस प्रकार के पाटित वस्तुओं यदि भारत को निर्यात किया जाये, घरेलू उद्योग को नुकसान पहुँचेगा, यह पाया गया था कि जांच की अवधि के दौरान आर ओ डब्ल्यू को कुल निर्यात का 500

मी.ट. (7%) अवतरित मूल्य की तुलना में एन आई पी से कम था । हालांकि, जांच की अवधि के बाद के दौरान इस प्रकार के निर्यात का प्रतिशत मामूली है ।

जांच की अवधि में और जांच की अवधि के बाद यूरोपीय यूनियन – तीसरे देश का विश्लेषण

75. यूरोपीय यूनियन का भारत को छोड़कर विश्व के शेष भाग (आर ओ डब्ल्यू) को तीसरे देश के निर्यात जिसे बर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों से लिया गया है, का भी विश्लेषण किया गया है। इस विश्लेषण से यह यह पता चला कि आर ओ डब्ल्यू को निर्यात की गई कुल मात्रा में से, जांच की अवधि के दौरान 9292मी.ट. (44%) और जांच की अवधि के बाद के दौरान 8293मी.ट. (58%) पाटित मूल्य पर की गई थी। इसके अलावा आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि यदि इस प्रकार की पाटित वस्तुओं को भारत की ओर परिवर्तित किया गया तो जांच की अवधि के दौरान आर ओ डब्ल्यू को कुल निर्यात का 234 मी.ट. (1%) से घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों ने यह दर्शाया कि पाटन के बावजूद घरेलू उद्योग को किसी प्रकार के नुकसान का कोई खतरा नहीं है क्योंकि सभी निर्यात क्षति रहित कीमतों पर किये जाते हैं।

- न. विदेशी उत्पादकों जो निर्यात उन्मुख है के पास अतिरिक्त क्षमतायें ।
76. रिकार्ड के अनुसार, कोरिया और चीन में उत्पादकों के पास क्षमता 422725 मी.ट. है। घरेलू उद्योग द्वारा दिये गये आकड़े दर्शाते हैं कि विभिन्न निर्यातकों के पास क्षमतायें नीचे दिये गये अनुसार हैं:

नाम	क्षमता/ उत्पादन
कोरिया गणराज्य	
यूनिड कं. लि.	96725 मी.ट. प्रति वर्ष
केमी पाउडर कं.	36000 मी.ट. प्रति वर्ष
कुल	132725 मी.ट. प्रति वर्ष
चीन	
तैयानजिन डिंगसेनजिन कैमिकल इन्डस्ट्री कंपनी	70000 मी.ट. प्रति वर्ष
जियान्गसू कोलोड फूड इनग्रेडियेन्ट कंपनी	60000 मी.ट. प्रति वर्ष
वेन्टांग पोटेशियम साल्ट ग्रुप कंपनी	120000 मी.ट. प्रति वर्ष
सांगडोंग ल्यूनांग कैमिकल टेक्नोलॉजी एल डी	40000 मी.ट. प्रति वर्ष
कुल	290000 मी.ट. प्रति वर्ष

77. अधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि में स्थापित भारतीय मांग की 27497 मी.ट. की तुलना में, कोरिया के उत्पादकों के पास 132725 मी.ट. तक उत्पादन क्षमतायें हैं जो इस देश में इस उत्पाद की भारतीय मांग के पास 5 गुना को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। उसी प्रकार चीन की उत्पादन क्षमतायें भारतीय मांग से 10 गुना अधिक हैं।

78. नीचे दी गई तालिका संबद्ध देशों से भारत और विश्व के शेष भाग में संबद्ध वस्तुओं के निर्यात को दर्शाती है (स्रोत:विश्व व्यापार एटलस)

जांच की अवधि	भारत को निर्यात	तीसरे देशों को निर्यात	कुल
चीन	794	9,913	10,707
ताइवान	920	13,324	14,244
कोरिया	9455	60,008	69,463

यूरोपिय यूनियन	1929	21,199	23,128
----------------	------	--------	--------

79.उपरोक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि भारत और विश्व के शेष भाग में कोरिया द्वारा निर्यात बहुत अधिक हुआ है हालांकि घरेलू उद्योग से प्राप्त सूचना के अनुसार चीन के उत्पादकों की क्षमतायें बहुत अधिक हैं फिर भी निर्यात आंकडे उच्च निर्यात उन्मुखी करण को नहीं दर्शाते हैं।

प. भारतीय बाजार की मूल्य आकर्षकता

80.जिस मूल्य पर ताइवान से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया जा रहा है, वह उस मूल्य से बहुत अधिक कम है जिस पर इन वस्तुओं को भारतीय बाजार में बेचा जा रहा है। इसलिए शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में यह संभव है कि संबद्ध देशों से निर्यातिक अपने पास बहुत अधिक क्षमता को देखते हुए भारतीय बाजार में अपने उत्पाद को और आगे भेजेंगे।

81.हालांकि, यूरोपिय यूनियन के मामले में आयात मूल्य घरेलू उद्योग के मूल्य से बहुत अधिक है और इस प्रकार घरेलू उद्योग को फिर से हानि होने की कोई संभावना दृष्टिगत नहीं होती है।

82.इस संबंध में वैश्विक तौर पर विभिन्न देशों को कोरिया द्वारा निर्यात किये जाने के संबंध में सूचना की जांच इस प्राधिकारी द्वारा उत्तर देने वाले निर्यातिक द्वारा दी गई लेन देन वार सूचना के आधार पर की गई थी। इन मूल्यों को एफ ओ बी निर्यात मूल्य के रूप में विचार करते हुए, पाटन मार्जिन और हानि मार्जिन का निर्धारण उचित समायोजन के बाद किया गया था (पाटन मार्जिन के संबंध में एक्स फैक्ट्री को एफ ओ बी तथा हानि मार्जिन के संबंध में एफओबी से अवतरित मूल्य)। यह देखा गया है कि जांच की अवधि के दौरान वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों को यूनिड कंपनी कोरिया से निर्यात की कुल मात्रा का 16% घरेलू उद्योग के अहानिकर मूल्य से कम मूल्य पर हुआ था। इसके अलावा 75 % निर्यात पाटित मूल्य पर हुआ है।

विवरण	ईकाई	मात्रा
सभी देशों को निर्यात की कुल मात्रा	मी.ट.	58,495
पाटन मूल्य पर निर्यात की मात्रा (जब इस की तुलना घरेलू उद्योग के समान्य मूल्य से की जायें)	मी.ट.	44025
हानिकर मूल्य पर निर्यात की मात्रा (जब इस की तुलना घरेलू उद्योग के एन आई पी मूल्य से की जायें)	मी.ट.	9268
पाटित निर्यात का हिस्सा	%	75
हानिकर निर्यात का हिस्सा	%	16

83.इस प्रकार यह देखा गया है कि तीसरे देशों को कोरिया का निर्यात का एक बहुत बड़ा अनुपात पाटित मूल्य और उस मूल्य पर हुआ था जहां घरेलू उद्योग को इन निर्यात को भारतीय बाजार की ओर परिवर्तित करने पर नुकसान उठाना पड़ेगा। इसके अलावा भारत में मांग पर विचार करते हुए, पाटन और हानिकर मूल्य पर निर्यात की यह मात्रा बहुत अधिक है। जैसा कि ऊपर में उल्लेख किया गया है, यह भी देखा गया है कि कोरिया के उत्पादकों को उस उत्पाद के लिए भारत की मांग से बहुत अधिक पर्याप्त उपयोग न की गई क्षमताओं का सामना करना पड़ता है जो स्पष्ट रूप से यह सिद्ध करता है कि शुल्क के समाप्त किये जाने की स्थिति में पाटन और अधिक होने की संभावना बनी रहती है।

फ. घरेलू उद्योग की अतिसंबद्धेनशीलता

84.याचिकार्का ने अनुरोध किया है कि मूल्य के मामले में भारतीय बाजार अत्यधिक संबद्धेनशील है। ग्राहक अपनी खरीद के बारे में निर्णय मूल्य पर सबसे पहले विचार करते हुए लेते हैं। घरेलू उद्योग की संबद्धेनशीलता इस बात से संबंधित है कि क्या यह उद्योग लगाये गये पाटन रोधी शुल्क को समाप्त किये जाने की स्थिति में अत्यधिक नुकसान उठायेगा। इस कारण से प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन पाटन रोधी शुल्क के समाप्त किये जाने पर और अधिक खराब हो जायेगा।

85.यह देखा गया है कि वर्तमान पाटन रोधी शुल्क को समाप्त किये जाने की स्थिति में, घरेलू उद्योग को या तो विक्री मूल्य में कटौती करनी पड़ेगी अथवा घरेलू उद्योग की विक्री की मात्रा में कमी आयेगी। आगे यह भी नोट

किया गया है कि ताइवान और कोरिया पर वर्तमान पर पाटन रोधी शुल्क को हटाये जाने की स्थिति में और घरेलू उद्योग आयात मूल्य पर बेचने के लिए मजबूर हो तब लाभप्रदता में गिरावट आयेगी। निवेश पर लाभ और नगद लाभ में भी गिरावट आयेगी। इस कारण से पाटन रोधी शुल्क को हटाने से इस बाजार में मूल्य पर बहुत अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा ताइवान और कोरिया पर वर्तमान पाटन रोधी शुल्क को हटाये जाने की स्थिति में, यदि घरेलू उद्योग उसी स्तर पर अपने मूल्य पर बनाये रखने का विकल्प अपनाता है तब आयात की मात्रा में घरेलू और आयात मूल्य के बीच पर्याप्त मूल्य अन्तर को देखते हुये वृद्धि होगी। इससे संभवता घरेलू उद्योग की विक्री, उत्पादन और क्षमता का उपयोग बहुत अधिक खराब हो जायेगा।

भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे :

86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर पाटन रोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की गलत व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली हानि को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के समान्य हित में है। पाटन रोधी उपायों को लगाने से किसी भी प्रकार से संबंध देश/ क्षेत्र से आयात पर प्रतिवंध नहीं लगेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।
87. यह मान लिया गया है कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से संबंध वस्तुओं का उपयोग करते हुए निर्मित उत्पाद के मूल्य के स्तरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और इसके परिणाम स्वरूप इस उत्पाद की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि भारतीय बाजार में स्वस्य प्रतिस्पर्धा पाटन रोधी उपायों से कम नहीं होगी खासकर यदि पाटन रोधी शुल्क का आरोपण घरेलू उद्योग को नुकसान से बचाने के लिए एक आवश्यक राशि तक सीमित रखा जायें। इसके विपरीत पाटन रोधी उपायों को लगाये जाने से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभ समाप्त हो जायेंगे और इससे घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट रुक जायेगी और संबंध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाये रखने में सहायता मिलेगी।

प्रकटन पश्चात विवरण/अनुरोध

परस्पर विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात् विवरण

88. उत्पादक और नियांत्रित मैसर्स यूनिड कंपनी ने अनुरोध किया है कि जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद के दौरान तीसरे देशों की विक्री के लिए हानिकर मार्जिन की जांच करते समय, डीजीएडी ने ऐसे सभी लेनदेन पर विचार नहीं किया है जिन्हें एन आई पी से अधिक पाया गया था। इससे यह राशि शून्य हो जाती है। कानून के अन्तर्गत उसकी अनुमति नहीं है हम अनुरोध करते हैं कि डी जी एडी का यह दृष्टिकोण डबल्यू टी ओ पैनल के निर्णय के विपरीत है।

घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन पश्चात विवरण के संबंध में किया गया अनुरोध

89. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन पश्चात विवरण के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

क. विचाराधीन उत्पाद का कोरिया और ताइवान से पाटित मूल्य पर नियांत्रित किया जाना जारी है।

ख. जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यूनिड कंपनी के मामले में क्रृष्णात्मक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है, याचिकाकर्ता यह अनुरोध करता है कि ऐसा प्रतीत होता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इसके बाजार मूल्य पर कैप्टिव इनपुट पर विचार नहीं किया है। यदि कैप्टिव इनपुट पर विचार उसके बाजार मूल्य पर नहीं किया जाता है तब ऐसा होगा कि एक पक्ष ने हाल में विचाराधीन उत्पाद में घाटा और कैप्टिव इनपुट में अपेक्षाकृत अधिक लाभ अर्जित किया है।

ग. घरेलू उद्योग का कार्यनिष्पादन मात्रा के मानदंड के संबंध में खराब हुआ है और मूल्य के मानदंड के संबंध में उसमें सुधार आया है।

घ. प्राधिकारी ने हालांकि घरेलू उद्योग के इस अनुरोध को रिकार्ड कर लिया है कि कच्चे माल का मूल्य (कास्टिक पोटाश) का बाजार मूल्य पर मान निकालना चाहिए परन्तु उन्होंने उस पर विचार नहीं किया है।

ड. विचाराधीन उत्पाद के लिए निहित कच्चा माल कास्टिक पोटाश (के ओ एच) है जो व्यापार किया जाने वाला एक उत्पाद है, और इसे पाटन मार्जिन और हानि मार्जिन की गणना में इसके बाजार मूल्य पर विचार किया

- जाना चाहिए के ओ एच को ईयर फैलेक रूप में बाजार में बेचा जा सकता है अथवा आगे इसे के 2 सी ओ 3 का उत्पादन करने के लिए प्रसाधित किया जा सकता है। यह देखा जायेगा कि के ओ एच की बहुत अधिक मात्रा बाजार में बेची जाती है और इसलिए के 2 सी ओ 3 के उत्पादन की लागत का निर्धारण इसके बाजार मूल्य पर के ओ एच पर विचार करने के बाद किया जाना अपेक्षित है।
- च. यद्यपि लागतों का कारक निर्यातक द्वारा रखे गये रिकार्ड के आधार पर हो सकता है फिर भी इससे यह अर्थ नहीं निकलता है निर्दिष्ट प्राधिकारी विना संतुष्टि के निर्यात के उत्पादन के लागत को अपनाने के लिए मजबूर है कि क्या वह उचित रूप से विचाराधीन उत्पादन और विक्री से संबंधित लागत को दर्शाता है।
- छ. जैसा कि नियमावली में परिकल्पना की है कि किसी उत्पाद के लिए एक मात्र एन आई पी होना चाहिए और न कि उसी उत्पाद के अनेक एन आई पी।
- ज. कोरिया और ताइवान से प्रचलित पाटनरोधी शुल्क के बावजूद बाजार में घरेलू उद्योग के मूल्य में कटौती हो रही है। यूरोपिय यूनियन को छोड़कर संबद्ध देशों से पाटन और हानि की संभावना है जैसा कि निम्नलिखित तथ्यों से सिद्ध हआ है:
- i. चीन के मामले में, जबकि पाटन मार्जिन और हानि मार्जिन जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद क्रृष्णात्मक हैं। तथापि यदि कैप्टिव इनपुट पर उनके बाजार मूल्य को ध्यान में रख कर विचार किया जाता है तब वह सभी धनात्मक है।
 - ii. चीन के पास संबद्ध वस्तुओं की बहुत अधिक अतिरिक्त क्षमता है और चीन की कंपनियां बहुत अधिक निर्यात उन्मुख हैं। यह इस बात को भी दर्शाता है कि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किये जाने की स्थिति में चीन से पाटन और हानि के फिर से होने की संभावना मौजूद हैं।
 - iii. कोरिया के मामले में जबकि पाटन मार्जिन और हानि की मार्जिन जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद यूनिड कंपनी, कोरिया के लिए क्रृष्णात्मक है, यदि कैप्टिव इनपुट पर विचार लागतों के आधार पर किया जाता है तब वह 'किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक' के संबंध में धनात्मक है। इसके अलावा यदि कैप्टिव इनपुट पर विचार उनके बाजार मूल्य के आधार पर किया जाता है तब वे सभी धनात्मक हैं।
- झ. अहानिकर मूल्य का निर्धारण उपयुक्त नहीं है और इससे घरेलू उद्योग को अनुचित रूप से कम सुरक्षा मिल रही है। जब घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित मूल संयंत्र में लगभग 90% का हास हो गया हो तब निवल निर्धारित परिसंपत्ति लाभ के निर्धारण का आधार नहीं बन सकती है। संयंत्र की अधिक आयु को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के लिए लाभ के अपेक्षाकृत अधिक दर पर विचार करना चाहिए।
- ट. पाटन रोधी शुल्क को यू एस डॉलरों में निर्धारित मात्रा के रूप में ही लगाया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

90. प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातक के इस तर्क को नोट किया कि जाँच अवधि और जाँच अवधि के बाद के तीसरे देश के विश्वेषण के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण ऐसे सभी सौदों जिन्हें एनआईपी से अधिक पाया गया था की उपेक्षा करते हुए किया गया है, गलत है। उक्त विश्वेषण पाटन और क्षति मार्जिन के परिकलन के लिए नहीं है जिसके द्वारा शून्य करने की अवधारणा की अनुमति नहीं दी गई है जैसा कि निर्यातक ने उल्लेख किया है। वर्तमान मामले में संबद्ध वस्तु के विपथन द्वारा शुल्क को हटाये जाने के मामले में क्षति की संभावना के निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए आवर्ती विश्वेषण करने के लिए पीओआई के बाद के आंकड़ों का प्रयोग किया गया है।
91. घरेलू उद्योग का तर्क बार-बार दोहराया गया है तथापि उन पर इसमें पुनः विचार किया गया है। डीआई के अनुरोध का प्रमुख जोर यह है कि असंबद्ध निविष्ट अर्थात् कॉस्टिक पोटाश (केओएच) का मूल्यांकन उसके बाजार मूल्य पर किया जाना चाहिए और न कि उसकी लागत पर जैसा कि लेखा बहियों में दर्ज है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने एनआईपी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III और घरेलू उद्योग द्वारा रखी गई लेखा बहियों के अनुसार निर्धारित किया है।

92. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III के खंड 2 के अनुसार प्राधिकारी "इसके अंतर्गत विनिर्दिष्ट सिद्धांतों पर विचार करते हुए समान घरेलू उत्पाद की उचित विक्री (धारणात्मक) कीमत या क्षति रहित कीमत के निर्धारण" के लिए एनआईपी का परिकलन कर रहे हैं। एनआईपी के परिकलन का प्रयोजन घरेलू उत्पादकों द्वारा वहन की

जाने वाली वास्तविक लागत को देखना और तत्पश्चात उसमें ऐसी कीमत जो उचित बिक्री कीमत होगी, को ज्ञात करने के लिए उनके द्वारा नियोजित पूँजी पर तर्कसंगत आय की अनुमति देना है। जब वास्तविक लागत ली जानी है तो आबद्ध रूप से उत्पादित निविष्टियों की बाजार कीमत को अपनाने का कोई कारण नहीं है।

93. घरेलू उद्योग यह तर्क नहीं दे सकता है कि पीयूसी की उत्पादन लागत को उनके द्वारा उत्पादित मध्यवर्ती उत्पाद के बाजार मूल्य पर आधारित होना चाहिए जबकि वे वास्तव में उसका आधारभूत स्तर से उत्पादन कर रहे हैं। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा रखी गई लेखा बहियों में यथा दर्ज उत्पादन लागत पर विचार किया है और पूँजीगत निविष्टि से संबंधित एक अवयव सहित पीयूसी के विनिर्माण के लिए उनके द्वारा नियोजित पूँजी पर आय की अनुमति दी है।

94. जहां तक घरेलू उद्योग के इस तर्क का संबंध है कि प्राधिकारी को केवल लेखा बहियों में ही यथा दर्ज उत्पादन लागत पर विचार करना चाहिए जबकि वह तर्कसंगत हो, प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग तथा सहयोगी निर्यातिकों के रिकॉर्डों के अनुसार उत्पादन लागत के आंकड़े संबंधित देशों के सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार थे। अतः प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को निर्धारित करने के लिए ऐसे आंकड़ों पर भरोसा किया है। घरेलू उद्योग का यह अनुरोध कि प्राधिकारी ने अनेक एनआईपी का परिकलन किया है गलत है।

95. जहां तक घरेलू उद्योग के इस तर्क का संबंध है कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित एनआईपी उचित नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनआईपी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III के अनुसार निर्धारित किया गया है।

96. जहां तक घरेलू उद्योग के इस तर्क का संबंध है कि पाटनरोधी शुल्क को अमरीकी डालर में स्थिर शुल्क के रूप में निर्धारित किया जाना चाहिए, प्राधिकारी ने अमरीकी डालर में स्थिर शुल्क की सिफारिश की है।

97. प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग द्वारा रखी गई और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित रिकॉर्डों पर आधारित लागत पर प्राधिकारी द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के अनुसार उत्पादन लागत की गणना करने के लिए विचार किया गया है।

निष्कर्ष और सिफारिश

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया, ताइवान और यूरोपिय यूनियन के निर्यातिकों ने इस जांच में भाग लिया। यूनिड कंपनी लिमिटेड से प्रश्नावली का उत्तर पूर्ण था और इसे स्वीकार कर लिया गया है। ताइवान और यूरोपिय यूनियन से प्रश्नावली का उत्तर अपूर्ण पाया गया था और इसे अस्वीकार कर दिया गया है। चीन ने किसी निर्यात अथवा उत्पादक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और न ही मौखिक सुनवाई में भाग लिया अथवा प्रकटन पश्चात विवरण के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

99. घरेलू उद्योग द्वारा दिये गये तर्क, दी गई सूचना और किये गये अनुरोध के संबंध में तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए तथा उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी का निष्कर्ष है और वे यह सिफारिश करते हैं कि :

- (i) घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री, क्षमता का उपयोग और बाजार हिस्से के संबंध में कार्य निष्पादन पहले से खराब हुआ है हालांकि लाभ, नगद लाभ और निवेश पर लाभ में हानि की अवधि के दौरान सुधार आया है।
- (ii) ताइवान से संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में जांच की अवधि में बहुत अधिक पाटन मार्जिन के साथ पाटित मूल्य पर आ रही है। इसके अलावा हानि का मार्जिन भी धनात्मक है।
- (iii) कोरिया के लिए आंकड़ों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि यद्यपि उत्तर देने वाले निर्यातिक के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन और हानि मार्जिन जांच की अवधि के दौरान ऋणात्मक है। तथापि जांच की अवधि के बाद और तीसरे देश का विश्लेषण धनात्मक हानि और पाटन मार्जिन को दर्शाता है। इसके अलावा कोरिया के उत्पादकों के लिए भारतीय बाजार की मूल्य आकर्षता, अतिरिक्त क्षमता और निर्यात उन्मुखीकरण के साक्ष्य को देखते हुए, प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि कोरिया से पाटन और हानि के लिए फिर से होने की संभावना है।
- (iv) चीन और यूरोपिय यूनियन के लिए जांच की अवधि के दौरान निर्धारित पाटन मार्जिन और हानि मार्जिन ऋणात्मक है। मूल्य में कटौती और कम कीमत पर बिक्री भी चीन और यूरोपिय यूनियन से पाटनरोधी शुल्कों को जोड़े बिना ऋणात्मक है। इसके अलावा यद्यपि तीसरे देश का पाटन मार्जिन जांच की अवधि के दौरान यूरोपिय यूनियन और चीन के लिए धनात्मक है फिर भी हानि का मार्जिन नकारात्मक है। यह भी नोट किया जाता है कि चीन बहुत अधिक अतिरिक्त क्षमताओं के दावों के बावजूद उच्च निर्यात उन्मुखी करण को नहीं दर्शाता है। इस प्रकार प्राधिकारी यह निर्धारण करते हैं कि चीन और यूरोपिय यूनियन से पाटन और हानि के

फिर से होने की कोई संभावना नहीं है। बाद के किसी घटना क्रम की स्थिति में, घरेलू उद्योग एक नयी जांच के लिए प्राधिकारी के पास हमेशा पहुंच सकता है।

- (v) इस प्रकार प्राधिकारी घरेलू उद्योग को होने वाले नुकसान से बचाने के उद्देश्य से इसे आवश्यक समझते हैं कि वह केन्द्र सरकार द्वारा इसकी अधिसूचना संख्या 61/2009-सीमा शुल्क दिनांक 10 जून, 2009 के माध्यम से कोरिया से संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर लगाये गये निश्चित पाटनरोधी शुल्क और ताईवान से संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर निश्चित पाटन रोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करें जिसका विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

शुल्क तालिका									
क्रम सं.	शुल्क का मद	सामान का विवरण	विनिर्देशन	उद्भव का देश	नियाति देश	उत्पादक	नियातिक	राशि (यू एस डॉलर में)	माप की इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28364000	पोटेशियम कारबोनेट	कोई विनिर्देशन	ताईवान	कोई भी	कोई भी	कोई भी	153	भी.ट.
2.	28364000	पोटेशियम कारबोनेट	कोई विनिर्देशन	ताईवान	ताईवान को छोड़कर कोई देश	कोई भी	कोई भी	153	भी.ट.
3.	28364000	पोटेशियम कारबोनेट	कोई विनिर्देशन	ताईवान, कोरिया जन गण को छोड़कर कोई भी	ताईवान	कोई भी	कोई भी	153	भी.ट.
4.	28364000	पोटेशियम कारबोनेट	कोई विनिर्देशन	कोरिया जन गण	कोरिया जन गण	मैसर्स यूनिट कं.लिमि.	मैसर्स यूनिट कं.लिमि.	9.45	भी.ट.
5.	28364000	पोटेशियम कारबोनेट	कोई विनिर्देशन	कोरिया जन गण	कोरिया जन गण	उपर्युक्त 4 को छोड़कर कोई समूच्चय	कोई भी	123.86	भी.ट.
6.	28364000	पोटेशियम कारबोनेट	कोई विनिर्देशन	कोरिया जन गण	कोरिया जन गण को छोड़कर कोई भी	कोई भी	कोई भी	123.86	भी.ट.
7.	28364000	पोटेशियम कारबोनेट	कोई विनिर्देशन	ताईवान, कोरिया जन गण को छोड़कर कोई भी	कोरिया जन गण	कोई भी	कोई भी	123.86	भी.ट.

100. इस अधिसूचना के प्रयोजन से आयात का अवतरित मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमा शुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9और 9क के अन्तर्गत शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमा शुल्क शामिल हैं।
101. केन्द्र सरकार के इस आदेश के विरुद्ध अपील सीमा शुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

जे. के. दाढू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th June, 2015

Find Findings

Subject: - Sunset Review investigation in the matter relating to Anti-Dumping Duties imposed on imports of Potassium Carbonate originating in or exported from the European Union, Korea RP, China PR and Taiwan (Chinese Taipei)

No. 15/12/2014-DGAD.—Whereas, having regard to above Rules, the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated an anti-dumping investigation in respect of the imports of Potassium Carbonate (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from European Union, Korea RP, China PR and Taiwan (Chinese

Taipei) (hereinafter referred to as subject countries) falling under Sub-heading 28364000 and definitive anti-dumping duty was recommended vide Final Findings Notification No. 14/42/2002-DGAD dated 16th January, 2004. On the basis of the said findings, the Central Government imposed definitive anti-dumping duties on the subject goods imported from subject countries vide Notification No. 37/2004 dated 20th February, 2004. Subsequently, the Authority conducted a sunset review investigation and recommended extension of anti-dumping duty vide Notification 15/4/2008-DGAD dated 20th May, 2009. The duty was extended vide Notification No. 61/2009-Customs dated 10th June, 2009.

2. Whereas, in terms of the Act and the Rules, the antidumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition.

3. And, notwithstanding the above provision, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantial request made by or on behalf of the domestic industry within a reasonable period of time prior to the date of the expiry of the measure, as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

4. And whereas M/s Gujarat Alkalies & Chemicals Ltd., approached the Authority with an application requesting for sunset review of the definitive anti-dumping duty earlier imposed vide Ministry of Finance Notification No. 61/2009-Customs dated 10th June, 2009 on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries and seeking the continuation of anti-dumping duty on the grounds that cessation of anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

5. Having satisfied that the petitioners have substantiated the need for a review, the Designated Authority considered it appropriate to initiate sunset review vide notification No. 15/12/2014-DGAD dated 9th June, 2014. The validity of the antidumping duty on the imports of the subject goods from the subject countries was extended up to 9th June, 2015 by the Central Government vide Notification No. 34/2014-Customs (ADD) dated 23rd July, 2014.

6. The scope of the present review covers all aspects of the previous investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

A. PROCEDURE

7. The procedure described below has been followed in this investigation:

i. The Authority notified the embassies of the subject countries in India about the receipt of application alleging dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries before proceeding to initiate the investigation in accordance with the Anti-dumping Rules.

ii. The Authority issued a Notification No. 15/12/2014-DGAD dated 9th June, 2014, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating sunset review anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

iii. The Authority forwarded a letter along with copy of the public notice to all the known exporters and other interested parties/industry associations (whose details were made available by the domestic industry) in the subject countries and gave them opportunity to make their views known in writing within the prescribed time limits in accordance with the anti-dumping rules.

iv. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters of the subject countries in accordance with the Anti-dumping Rules. A copy of the application was also made available to other interested parties, upon request.

v. Copies of the letter and the exporter questionnaires sent to the exporters/producers in the subject countries were also sent to the embassy of the subject countries in India along with a list of known exporters/producers with a request to advise the known exporters / producers from the subject countries as also other exporters / producers from the subject countries to respond to the questionnaires within the prescribed time limits.

vi. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with the Anti-dumping Rules.

vii. The Authority sent exporter questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from the subject countries:

1. Evonik Industries AG, Germany
2. Dr. Paul Lohman GmbH KG, Germany
3. Merck KGaA, Germany
4. Creanova SpezialchemieGmbH, Germany
5. Taiwan Paper and Pulp Corporation, Taiwan
6. Green Mountain Company Ltd., Taiwan

7. Gremont Chemical Co. Ltd., Taiwan
 8. Jiande Dayang Chemical Manufacture Ltd. (Jiande), China
 9. Panjin Fertilizer Plant Fertilizer Factory, China
 10. Chengdu Chemical Co. Ltd. (CCL), China
 11. Henan Chinaoriginator Trading Co. Ltd., China
 12. Unid Co Ltd, Korea
- viii. Exporters /Producers namely, M/s UNID Co. Ltd, Korea RP, M/s Taiwan Paper and Pulp Corporation, Taiwan and M/s Potasse ET Produits Chimiques, France have filed responses.
- ix. The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known importers/consumers (whose names and addresses were made available to the Authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the prescribed time limit in accordance with the Rule 6(4):
1. Aurbindo Pharma Limited, Hyderabad, Andhra Pradesh
 2. Videocon International Limited, Mumbai, Maharashtra
 3. Videocon Industries Limited, Videocon, Gujarat
 4. Tanfac Industries Limited, Chennai, Tamil Nadu
 5. Vorin Laboratories Limited, Secunderabad, Hyderabad, Andhra Pradesh
 6. Gujarat Insecticides Limited, Ankleshwar, Gujarat
 7. Ici India Ltd,Chennai, Tamil Nadu
 8. Aarti Drugs Limited, Mumbai, Maharashtra
 9. KDL Biotech Limited,Mumbai, Maharashtra
 10. Bharat Jyoti, Mumbai, Maharashtra
 11. NOCIL LIMITED, Mumbai, Maharashtra
 12. Bakul Pharma, Mumbai, Maharashtra
 13. Bio Chemical Synthetic Product, Hyderabad, Andhra Pradesh
 14. Glochem Industries Ltd., Hyderabad, Andhra Pradesh
 15. Assam Petrochemicals Limited, Guwahati, Assam
 16. Meck Lubricant and Petrochemicals Private Limited, Ahmadabad, Gujarat
 17. Baker Hughes Singapore PTE head Office, Mumbai, Maharashtra
 18. Keerthi Company, Bangalore, Karnataka
 19. MFPL Fluorine Products Limited,Chennai, Tamil Nadu
 20. Max Asotech Limited, Gurgaon, Haryana
 21. Ranbaxy Labs, New Delhi
 22. Amoli Organics, Mumbai, Maharashtra
 23. Khushbu Chemicals, Mumbai, Maharashtra
 24. Recon Limited, Bangalore, Karnataka
 25. SD Fine Chem Limited, Mumbai, Maharashtra
 26. Westman Chemical Pvt. Ltd., Mumbai, Maharashtra
 27. Bayer India Chemicals Pvt. Ltd., Chennai, Tamil Nadu
 28. Dr. Reddy's Laboratories Limited, Hyderabad, Andhra Pradesh
 29. CJ Shah and Company, Mumbai, Maharashtra
 30. Tribology India Limited, Chennai, Tamil Nadu
- x. The period of investigation for the purpose of the present review is 1st April, 2013 to 31st March, 2014 (12 months). However, injury analysis covered the years 2010-11, 2011-12, 2012-13 and the POI.

- xi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation. The import information was obtained from DGCI&S. Since volume of imports as reported by the responding exporter is higher than the DGCI&S data and Korean Custom Data, the responding exporters' data has been considered for the investigation.
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xiii. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 8th January, 2015.
- xiv. The parties presenting their views in the oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The submissions made by the interested parties during the course of the investigation and the oral hearing, have been addressed in this Disclosure Statement, to the extent considered relevant by the Authority.
- xv. The Authority has examined the information furnished by the domestic producer to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non- injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti- dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xvi. Verification of the information and data submitted by the responding exporter and the applicant was carried out to the extent deemed necessary.
- xvii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xviii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has treated such parties as non-cooperative and recorded its Final finding on the basis of the 'facts available' .
- xix. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which has formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 25.05.2015. The post Disclosure Statement submissions were received from the Domestic Industry only and the same have been considered, to the extent found relevant in this Final Findings Notification.
- xx. The submissions made by the interested parties considered relevant by the Authority have been addressed in this Final Findings Notification.
- xxi. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as Rs. 60.85 = 1 US\$.
- xxii. ***in the Final Finding Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. SCOPE OF THE PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND 'LIKE ARTICLE'

8. The product under consideration is "Potassium Carbonate". Potassium Carbonate is a white, deliquescent inorganic compound, available in powder and granules form, soluble in water and insoluble in alcohol, having chemical formula K₂CO₃ and having an ITC (HS) code 2836 40 00.
9. The petitioner has further claimed that the goods produced by the domestic industry are like article to the imported product in terms of parameters such as physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification. The two are technically and commercially substitutable.
10. Potassium Carbonate is used primarily in manufacturing of TV Picture Tubes, GLS Lamp & Ophthalmic Glasses, Fertilizer Industry, Rubber Industry, Pesticide industry, Drug & Pharmaceuticals, Dyes and Potassium based chemical industries.

Examination by the Authority

11. The present petition is for sunset review of the anti dumping duty earlier imposed. The previous findings do not show any issue with regard to product under consideration. The present investigation being a sunset review investigation of anti- dumping duties in force, the Authority considers that the scope of the product under consideration in the present investigation remains the same as that of the original investigation. Moreover, none of the interested parties have made any relevant submission requesting modification (including curtailment) in the scope of the review.

12. After examination, the authority concludes that the subject goods produced by the domestic industry are like article to that imported from the subject countries.

C. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

13. Submissions by the Domestic Industry

- i. The present petition has been filed by Gujarat Alkalies & Chemicals Ltd. which constitutes domestic industry of the product under consideration in India.
- ii. There are two other known producers of Potassium Carbonate in India, apart from the petitioner, viz. The Andhra Sugars Limited and Sree RayalaseemaAlkalies & Allied Chemicals Ltd. Annual Report of Sree Rayalaseema shows capacity for the product under consideration, but, no production. Further, it shows potassium carbonate under the head raw materials, along with potassium chloride. Therefore, it is considered that Sree Rayalaseema has not produced product under consideration for sale in the market. DI has given information about M/s The Andhra Sugars Limited that they are also producing and selling the PUC but to the extent of 26% of total sale of Indian production.
- iii. The production of petitioner constitutes a major proportion of total domestic production of subject goods in India. Thus, the present petition satisfies the standing requirement under the Rules to file the present petition and petitioner constitutes 'domestic industry'.
- iv. Present petition is for sunset review. This being sunset review investigation, the Authority is not required to ascertain standing of the petitioner to file the present petition.

Views of the opposing Interested Parties –

14. None of the interested parties have made submissions with regard to scope of the Domestic Industry and Standing.

Examination by Authority

15. The application was filed by Gujarat Alkalies& Chemicals Ltd. It is noted there are two other known producers of the subject goods in India, apart from the petitioner, viz., Andhra Sugars Limited and Sree Rayalaseema Alkalies & Allied Chemicals Ltd. It is noted from the evidence submitted by the petitioner that M/s Sree Rayalaseema Alkalies & Allied Chemicals Ltd does not produce goods for domestic sales. Further, data furnished by the petitioner shows that even if known capacity of M/s. Sree RayalaseemaAlkalies & Allied Chemicals Ltd is considered as its domestic production, the production of petitioner would still constitute 74% of total domestic production of subject goods in India. The petitioner therefore satisfies the requirement of standing to file the present petition and constitutes 'Domestic Industry' within the meaning of the AD Rules.

D. Assessment of Dumping – Methodology and Parameters

Normal Value, Export Price and Dumping Margin

Normal Value

16. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Normal Value For China PR

Submissions by the domestic industry

17. It has been contended by the domestic industry that China PR should be treated as non-market economy country, *inter alia*, stating that:

- i. Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity—The Designated Authority and the EC has consistently held that possibilities of State

interference cannot be ruled out in such cases. It is being held that it is not only the question of past interferences alone, but also possibilities of potential State interference in the future after the imposition of anti-dumping duties that is relevant to market economy treatment.

- ii. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values – “substantially reflect market values” has been widely interpreted to mean that the price of these inputs must be comparable to the prices prevailing in the international market. The fact that such prices are comparable to the price prevailing in China is grossly insufficient.
- iii. Market economy status cannot be given unless the responding exporter establish that their books are audited in line with international accounting standards – market economy treatment must be rejected in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS). The requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report.
- iv. Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied – Market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the rules. This situation is just the opposite of the test required for material injury. It is well acknowledged position that a positive finding of injury can be recorded even if one single parameter established injury. Thus, while one parameter is sufficient to establish existence of injury, failure to pass one single parameter is sufficient to reject the claim of market economy status.
- v. Onus/obligations – it is not for the Authority to establish that the Chinese companies are indeed operating under market economy environment and is entitled for market economy treatment. On the contrary, it is for the Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- vi. Response from group as a whole – Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
- vii. Transformation – In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.

Examination by the Authority

18. The Authority notes that China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters/producers in terms of the AD Rules.

19. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy may be rebutted, if the exporter(s)/producer(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The co-operating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:

- i. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- ii. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- iii. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- iv. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

20. The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority; none of the Chinese exporters/producers has submitted the questionnaires' responses or the market economy questionnaire's response and sought to rebut the non-market economy presumption. Since none of the Chinese companies have filed MET questionnaire response or claimed market economy treatment, Petitioner has proposed India as surrogate country. No comments have been filed by any party opposing claim of the petitioner. The Authority therefore determined the normal value on the basis of other reasonable method as per Rules. The Normal Value as worked out by the Authority is given in the Dumping Margin Table below.

Normal Value For European Union, Korea RP And Taiwan:**Submissions by the domestic industry**

21. Following are submissions of domestic industry on normal value:

- i. Efforts were made to get evidence of price of product concerned in the domestic markets of European Union, Korea RP and Taiwan (Chinese Taipei). Efforts were also made to get any evidence of price from published sources. There is no publication which provides prices of the product under consideration in European Union, Korea RP and Taiwan.
- ii. The product prices are not publicly available as the prices are transacted between the producer and consumers and therefore the same are not in public domain. In view of the same, the Petitioner has determined normal value for the abovementioned countries on the basis of estimates of cost of production based on best available information, with addition of selling, general and administrative expenses.
- iii. Potassium chloride is the raw material used for production of caustic potash from which Potassium Carbonate is produced. Petitioner has taken prices of potassium chloride from import price of specific grade of potassium chloride which is used in production of caustic potash and then potassium carbonate. The price of potassium carbonate has been constructed on this basis considering all other expenses as per petitioner's cost of manufacturing potassium carbonate with a reasonable profit of 5%.
- iv. Export price has been determined on the basis of weighted average price of imports of all known imports into India. These prices are assessable values of imports
- v. The dumping margins for the subject countries (except for EU) are significant and above de minimis levels.
- vi. As regards the dumping margin, most critical issue is the cost of production of the PUC, for which vital question is valuation of captive input. The answer given by the responding exporter is with regard to raw material of caustic potash which is a distinct product, having significant market globally. The petitioner in fact is selling a very large portion (in fact, majority portion) in the market.
- vii. The exporter has tried to escape the question on transaction wise details of exports of PUC to third country markets, i.e., markets other than India.

Normal Value For Korea RP**Normal Value for M/s UNID Co. Ltd.**

22. UNID Co filed a questionnaire response containing details of the domestic as well as exports sales of the subject goods manufactured and sold by them. For computation of Normal Value, the domestic sales of the subject goods were considered based on the verified data in Appendix -1. It was stated that 100% of the subject goods has been sold to the non-affiliated parties in the domestic market by the company. It was verified that 100% of the domestic sales are profitable sales and the same have been considered for the purpose of determining the Normal Value. Adjustments namely Freight Expenses, Credit Expenses, and Packing Expenses as claimed were allowed by the Authority. The Normal Value at ex-factory level as worked out by the Authority taking into consideration the above factors is as in the Dumping Margin Table below.

Normal Value for all other exporters from Korea RP

23. The Authority notes that no other exporter/producer from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation. The Authority, therefore, adopted the normal value determined for the cooperating exporter from Korea RP, for all other exporters from Korea as well.

Normal Value For Taiwan (Chinese Taipei)

24. M/s Taiwan Pulp and Paper Corporation have submitted questionnaire response along with some data. The same was seen and they were informed vide email dated 09/01/2015 to submit complete information. In their letter sent by email on 07/01/2015 they had regretted attendance from oral hearing and stated that anti-dumping duty has continued for a long time on this product and it should be withdrawn without further extension. As their questionnaire response and the data submitted is incomplete, authority decided to reject the response.

25. The Authority further notes that in the absence of any response from any other producer from Taiwan in the form and manner prescribed, the normal value cannot be determined on the basis of questionnaire response of a producer in the Taiwan. The Authority has relied upon best available information for determination of Normal Value. The petitioners claimed that efforts were made by them to get any information about the price at which subject goods were being traded in the domestic market of Taiwan. Efforts were also made to get any other reasonable evidence of price of the subject goods prevailing in Taiwan. Petitioners have not been able to get evidence of prices of the subject goods in the domestic market of Taiwan. The normal value is, therefore, has been determined taking constructed value approach. The Normal Value as worked out by the Authority is given in the Dumping Margin Table below.

Normal Value For EU

26. M/s Potasse ET Produits Chimiques, France has provided questionnaire response along with some data. The same was seen and they were informed of the deficiencies vide email dated 27/01/2015. The documents were examined and they were requested to give further information vide email dated 03/03/2015. They responded vide their email dated 17/04/2015 attaching part data and also sent some documents by courier. The documents were examined and it was noted that they have not disclosed complete information. As the response is still incomplete, their response has been rejected.

27. The Authority further notes that in the absence of proper response from any other producer from EU in the form and manner prescribed, the normal value cannot be determined on the basis of questionnaire response of a producer in the EU. The Authority has relied upon best available information for determination of Normal Value. The petitioners claimed that efforts were made by them to get any information about the price at which subject goods were being traded in the domestic market of EU. Efforts were also made to get any other reasonable evidence of price of the subject goods prevailing in EU. Petitioners have not been able to get evidence of prices of the subject goods in the domestic market of EU. The Authority therefore, determined the normal value on the basis of other reasonable method as per Rules. The Normal Value as worked out by the Authority is given in the Dumping Margin Table below.

Export Price For Korea RP

Export Price for UNID Co., Ltd., Korea RP.

28. UNID Co. filed a questionnaire response containing details of the domestic as well as exports sales of the subject goods manufactured and sold by them. The export price has been determined based on the data in Appendix-2. After allowing the adjustments as claimed namely Inland Freight, Ocean freight, Credit Expenses, Bank Charges, Overseas Insurance, Customs Agent Fee, Commissions, duty drawback and Packing Expenses, the export price at ex-factory level as worked out by the Authority is given in the Dumping Margin Table below.

All Other Exporters from Korea RP

29. In respect of all other exporters from Korea RP who are treated to be non-cooperative, the Authority determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.

Export Price for EU, Taiwan And China

30. None of the Exporters from China submitted any response. Exporter from EU (France) and Taiwan submitted response but with incomplete data; the Authority has determined the export prices as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti Dumping Rules. Data has been collated as per the best available information. The data for analysis was sourced from DGCI&S and was adjusted for Inland Freight, Ocean freight, Bank Charges, Overseas Insurance, Customs Agent Fee, Commission to arrive at net export price.

DUMPING MARGIN

31. The normal values determined at the ex-factory level have been compared with the respective net export prices determined at the ex-factory level to determine the dumping margins. The dumping margins are as follows:

Dumping Margin Table

Sl. No.	Channel of export	Name of Producer	Exporter	Normal value US/MT	Export price US\$/MT	Dumping margin US\$/MT	Dumping margin %	Dumping margin Range%
1	Korea RP	UNID Co., Ltd., Korea RP	UNID Co., Ltd., Korea RP	***	***	***	***	(0 – 10)
2	Korea RP	All other Producers	All other exporters	***	***	***	***	15-25
3	EU	All Producers	All exporters	***	***	***	***	(40-60)
4	China PR	All Producers	All exporters	***	***	***	***	(10 – 20)
5	Taiwan (Chinese Taipei)	All Producers	All exporters	***	***	***	***	20-30

The dumping margins determined for the imports from Korea RP (except UNID Co) and Taiwan are significantly above de-minimis.

E. INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**Submissions by the opposing interested parties**

32. The views of opposing interested parties with respect to injury and causal link are as follows:
- i. All injury parameters claimed are contrary to claims made in Proforma IV-A
 - ii. For sake of getting a sunset review investigation initiated, the domestic industry has deliberately provided wrong and incomplete information and later on supplemented with the same Proforma IV-A enclosed with the petition for the period of investigation.
 - iii. Cost of sales have increased by 31% whereas during the same period of sales realization has increased by 74%.
 - iv. Domestic industry has been earning good profits during the period of investigation. There is no price effect on the Domestic Industry.
 - v. Domestic industry has earned more than 22% ROCE, it is clear indication that domestic industry has not been adversely affected by imports from Korea.
 - vi. Even though it has been claimed that there is negligible price undercutting, the domestic industry could not establish that price undercutting is causing injury to the domestic industry. Furthermore, claims of price undercutting by imports are wrong.
 - vii. Claims of dumping are baseless – not based on facts but on hypothetical assumptions.
 - viii. Positive trends in sales realization and profitability of the domestic industry have continued beyond the period of investigation too. Accordingly, there is no likelihood of dumping and injury.

Submissions by the Domestic Industry

33. The domestic industry, in its submissions, has inter-alia argued as follows:
- i. Demand demand/consumption has increased over the injury period.
 - ii. Imports from subject countries have remained significant and have in fact increased throughout the injury period. Further, average import prices of subject goods from subject countries (barring EU) have remained lower than the selling price of the domestic industry.
 - iii. Imports have increased significantly since the base year of the original investigation. The increase is much more than the increase in demand, which is an unusual situation given the circumstance that anti dumping duties has been in place.
 - iv. Landed price of imports has remained below the level of cost of sale and selling price since 2012-13. Thus imports are likely to cause price suppression.
 - v. The domestic industry has maintained the same capacity throughout the injury period. Production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry have declined over the injury period despite increase in demand and imposition of anti dumping duty.
 - vi. The cost of sales as well as the selling price of the domestic industry increased over the injury period. April 13 - Sept 13 was an aberrational period; therefore the POI would not show the actual injury being suffered by the domestic industry.
 - vii. Analysis of post POI period shows that cost of sales has further increased however selling price has declined leading to losses being suffered by the domestic industry in this period.
 - viii. Due to low prices and huge volumes of dumped imports, the sizeable part of market share has been seized by imports from subject countries. Further, despite capacities and demand, market share of the domestic industry has remained very low and the share of dumped imports has increased.
 - ix. Productivity per day of the domestic industry has declined throughout the injury period in consonance with consistent decline in production of the domestic industry.
 - x. The inventory level with the domestic industry has remained significant throughout the injury period.
 - xi. The impact of dumping on the domestic industry is significant.
 - xii. The NIP and injury margin is required to be determined after considering captive input at market price.
 - xiii. The period April 13 –Sept 13 is highly aberrational period as there was extreme shortage of supply of raw material of the product under consideration, i.e. potassium chloride in the period from April 13 to Sept 13 in the global market which led to the decline in the production of the product under consideration. This also led to significant increase in the

prices of the product under consideration. Despite having a favorable market condition, the petitioner was compelled to reduce its production.

Examination by the Authority

34. The Authority has considered various arguments put forth by various interested parties in their submissions and issue of continuation of injury to the domestic industry has been examined in the light of these arguments made before the Authority.

Rule 11 of the AD Rules read with its Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry,

“.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” While considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

35. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”

36. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra.

37. The present investigation is a sunse treview of anti-dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply on mutatis mutandis basis in case of a review as well. The Authority has, therefore, determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers that the fact of existing anti dumping duties on imports of the product from subject countries is required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether existing measure is necessary to counteract the dumping causing injury.

38. According to Section 9 (A) (5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, in which case, the Central Govt. may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.

39. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

40. The Authority has considered the views of all the interested parties to the extent found relevant to the present investigation and addressed the same appropriately. The Authority has analyzed injury parameters in accordance with the Rules. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been treated confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. Accordingly, the volume and price effect of dumped imports have been examined as follows:

F. VOLUME EFFECT

Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

41. The effects of the volume of dumped imports from the subject countries as well as imports from other countries have been examined by the Authority as follows:

Demand and Market Share

42. For the purpose of determining the demand and market share, the Authority has considered sales of the Indian producers and imports from various sources. The demand of the product in India has been computed as the sum of domestic sales of the Indian Producers and known imports from various countries. The demand so assessed is shown in the following table:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Sales of Domestic Industry	MT	11,494	9,841	6,999	6,222
Sales of Other Indian Producers	MT	2,005	2,005	2,206	2,206
Subject Countries	MT	7944	9123	11403	11754
Other Countries	MT	5,397	7,794	6,537	7315
Demand/Consumption	MT	26,840	28,764	27,145	27,497
Market Share in demand					
Sales of Domestic Industry	%	42.82	34.21	25.78	22.63
Sales of Other Indian Producers	%	7.47	6.97	8.13	8.02
Subject Countries	%	29.60	31.72	42.01	42.75
Other Countries	%	20.11	27.10	24.08	26.60

43. It is noted that the apparent consumption of the subject goods have remained more or less consistent over the injury period except 2012-13. Market share of imports from subject countries have increased over the injury period.

Import volumes and share of subject countries:

44. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti dumping rules provides as under:

“While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India”

45. The import volumes for the injury period, considering the data provided by DGCI&S and the responding exporter are as under:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Taiwan	MT	-	-	240	680
Korea	MT	6321	7834	9103	9675
China	MT	186	-	20	150
EU	MT	1437	1289	2280	1929
Total Subject countries	MT	7944	9123	11403	11754
Other Countries	MT	5,397	7,794	6,537	7315
Total Imports	MT	13,341	16,917	17,940	19,069

46. It is seen that the imports from subject countries have remained significant and have in fact increased throughout the injury period. Volume of imports has increased in absolute terms and as well as in relation to consumption in India despite existence of anti dumping duties.

Market share in Demand

47. The effects of the dumped imports on the domestic sales and the market share of the domestic industry have been as below:

Market Share in Demand	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Domestic Industry	%	42.82	34.21	25.78	22.63
Other Producers	%	7.47	6.97	8.13	8.02
Subject Countries Imports	%	29.60	31.72	42.01	42.75
Other Countries imports	%	20.11	27.10	24.08	26.60
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00

48. It is noted that market share of the domestic industry has declined whereas share of imports from subject countries has increased significantly over the injury period.

G. PRICE EFFECT

Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

49. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

50. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and weighted average Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

Price undercutting and price underselling

(a) Taiwan

	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Landed price of imports	Rs./MT	***	***	***	***
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***

(b) EU

	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Landed price of imports	Rs./MT	***	***	***	***
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***

(c) China PR

	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Landed price of imports	Rs./MT	***	***	***	***
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***

(d) Korea RP

	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Landed price of imports	Rs./MT	***	***	***	***
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***

Price underselling for POI

Particulars	Unit	EU	China PR	Taiwan	Korea RP
Non Injurious Price	\$/MT	***	***	***	***
Landed Price	\$/MT	***	***	***	***
Price underselling	\$/MT	***	***	***	***
Price underselling	%	***	***	***	***
Price underselling %	Range	(60-70)	(30-40)	15-25	(10-20)

Price Suppression and Depression

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
Index		***	***	***	***
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Index		100	117	147	174

51. In this regard, the Authority notes as under:

- That the price undercutting during POI is positive for Taiwan and Korea.
- The landed price of imports from China and EU has remained above the selling price of the domestic industry.
- That both cost of production and selling price has increased over the injury period and the increase in selling price is significant. It is thus evident that the imports were not suppressing/depressing the prices of the domestic industry in the market.

H. EXAMINATION OF ECONOMIC PARAMETERS RELATING TO THE DOMESTIC INDUSTRY

52. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. However, the present investigation being a sunset review investigation, injury to the domestic industry is required to be assessed on mutatis mutandis basis. Further, the Authority has examined whether existing measure has been sufficient to counteract the dumping which is causing injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Sales, Capacity, Production, and Capacity Utilization

53. The performance of the domestic industry in respect of sales, capacity, production, and capacity utilization has been as follows:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Capacity	MT	13,200	13,200	13,200	13,200
Production	MT	11,918	10,536	6,464	6,987
Capacity Utilization	%	90	80	49	53
Sales volume					
Domestic	MT	11,494	9,841	6,999	6,222
Exports	MT	702	221	251	157

54. It is seen that:

- a. The domestic industry maintained the same capacity throughout the injury period.
- b. Production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry have declined till 2012-13 and marginally increased in POI.

Profits, Return on Investment and Cash Flow

55. The cost of sales, selling price and profit/loss of the domestic industry has been analyzed as follows:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	145	131
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	147	174
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	3,430	147	10,898
Profit/Loss	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	2,924	90	5,876
PBIT	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	2,717	108	5,163
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	7,763	288	15,475
ROI	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	2,541	105	5,502

56. It is seen that:

- a. Cost of sales increased up to 2012-13, but declined in the POI.
- b. Selling price of the domestic industry has increased over the injury period.
- c. Domestic industry was earlier suffering losses in 2010-11, but started earning profits in 2011-12, which increased thereafter up to POI. Petitioner submitted that profits of the company are mostly profits in sale of caustic potash (KOH), which is an intermediate raw material for PUC but which has its own independent market also. Petitioner explained that there was shortage of supply of potassium chloride (one of the basic raw materials) in the global market during part of the POI i.e. from April '13 to Sept '13 which led to increase in the prices of caustic potash. Petitioner submits that there is decline in production of the product under consideration because imports are being made at a price which do not support KOH price. Though prices of PUC increased but petitioner was compelled to reduce its production in view of non-remunerative price of the product under consideration, considering the price of KOH, the intermediate raw material, was more remunerative in the market.
- d. Profitability of the domestic industry has increased over the injury period. Resultantly, cash profit and return on investment have increased over the injury period with the increase in profitability.

Inventories

57. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Opening stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	90	74

58. It is seen that inventories with the Domestic Industry have declined over the injury period.

Employment and wages

The position with regard to employment and wages is as follows:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Number of employees	No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	114	127	127
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	84	84	103

59. Analysis of the data given in the above table indicates that the number of workers have increased along with the wages during the POI.

Productivity

Data relating to productivity shows as follows:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Productivity per day	MT/day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	88	53	59
Productivity per employee	No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	132	118

60. It is noted from the above table that productivity of the domestic industry has declined throughout the injury period in consonance with consistent decline in production of the domestic industry.

Factors affecting domestic prices

61. Consideration of the factors like import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure and competition in the domestic market, might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market. The analysis show that the landed value of imported material from Taiwan as well as Korea is below the selling price of the domestic industry, causing price undercutting in the Indian market. The benchmark for the Indian producers' prices is the import prices from various sources, including the subject countries. There is no viable substitute to this product. It is also noted that demand for the subject goods is consistent during the POI and therefore demand cannot be a factor affecting domestic prices. Thus, the major factors responsible for the domestic industry prices are the landed prices of imports and the cost of production of the domestic industry.

Growth

62. On examination of various economic parameters of the domestic industry, the Authority notes that on a year by year basis, the domestic industry has suffered adverse growth in terms of production, sales, capacity utilisation and market share. Parameters such as profits, cash profits and return on investments have shown positive growth.

OVERALL ASSESSMENT OF INJURY

63. In view of the above, it is concluded that imports from subject countries have increased in absolute terms as also in relation to demand and production of the subject goods in India. Sales of the domestic industry has declined significantly, whereas profitability, cash profit and return on investment has improved during the POI. The domestic

industry contended that the prices of the PUC were not remunerative compared to the market price for caustic potash, which is a raw material. They have requested that the captive utilization of Caustic Potash be taken at market price. However, as per the established practice, the authority has considered the captive input at its cost of production as per the records maintained by the company. It is concluded that the performance of the domestic industry deteriorated in respect of volume parameters and improved in respect of price parameters. Imports from Korea and Taiwan were undercutting the prices of the domestic industry in the market in spite of prevailing anti-dumping duty. Thus, cessation of the antidumping duties from Taiwan and Korea is likely to cause adverse effect on the prices of the domestic industry in the market and is likely to result in significant price depression.

I. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN:

64. The comparison of non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the imports for determination of injury margin during the POI is as under:

Sl. No.	Country of Origin	Name of Producer	Exporter	NIP US\$/MT	Landed Price US\$/MT	Injury Margin US\$/MT	Injury Margin %	Injury Margin range
1	Korea RP	UNID Co., Ltd., Korea RP	UNID Co., Ltd., Korea RP	***	***	***	***	(10-20)
2	Korea RP	All other Producers	All other exporter	***	***	***	***	0-10
3	EU	All Producers	All exporters	***	***	***	***	(20-30)
4	China PR	All Producers	All exporters	***	***	***	***	(30-40)
5	Taiwan (Chinese Taipei)	All Producers	All exporters	***	***	***	***	10-20

J. Causal Link

65. As per the AD Rules, the Designated Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than-dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter-alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry.

- (a) **Volume and value of imports not sold at dumped prices:** - Imports from other countries were at higher prices and therefore could not have contributed to the injury suffered by DI.
- (b) **Contraction in demand:** - The Authority notes that the demand of the product under consideration has shown a positive growth throughout the injury period. Hence, contraction in demand is not a possible reason, which could have contributed to injury to the domestic industry.
- (c) **Changes in the patterns of consumption:** - The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. Change in the pattern of consumption is unlikely to contribute to the injury to the domestic industry.
- (d) **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers:** - There is no trade restrictive practice, which can contribute to the injury to the domestic industry.
- (e) **Developments in technology:** - It is noted that the technology for production of the product has neither undergone any material change nor is likely to change in future. Developments in technology, therefore, do not appear to be a possible factor of injury. The domestic industry is producing the product under consideration for the past several years. The technology adopted by domestic industry is comparable to the technology adopted by other players world-over.

(f) **Performance of other products produced and sold by the domestic industry:** - The domestic industry is a multi-product company. However, injury analysis has been made with respect to the product under consideration only.

(g) **Productivity:-** It is noted that productivity of the domestic industry has improved in POI. Thus, decline in productivity does not appear to be a cause of injury to the domestic industry in the POI.

K. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

66. The Authority observed that this is a sunset review investigation and the focus of this investigation is to examine the likely scenario of injury if the duties were to be removed, even if there is no current injury. For this, the authority has relied on the Post POI and third country data for the analysis

Submissions by the domestic industry

67. The domestic industry in its submissions claimed that the requirement under a sunset review is to examine whether revocation of anti dumping duty is likely to lead to continuance or recurrence of injury to the domestic industry and, therefore, any examination which is not based on the factors listed for a threat analysis would be flawed.

68. In addition to the examination of continued dumping and injury, likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry has also been examined by the Authority on the basis of information and evidence as submitted by the domestic industry during the course of the investigations.

69. Following are the submissions made by the domestic industry on likelihood or recurrence of dumping and injury as follows:

- i. Dumping Margins determined in previous investigations and present petition are positive (except for EU) and significant and clearly shows likelihood of dumping and consequent injury in the event of cessation of anti dumping duty
- ii. Despite anti-dumping duty in place, the exporters are continuing to dump goods, in higher volume. This fact itself establishes that revocation of anti dumping duty will lead to further intensify dumping.
- iii. Petitioner has determined dumping margin in respect of exports of the product under consideration from subject countries to third countries. The dumping margin is significant for all the subject countries except EU.
- iv. The subject foreign producers are holding huge production capacities. It is submitted that in case of cessation of the present duty, dumping from subject countries is likely to increase and cause injury to the Domestic Industry
- v. Shandong Lunan Chemical Technology Limited, a Chinese producer and exporter of subject goods, cites its production capacity as 40,000 tons of potassium carbonate annually on its website. It is single-handedly capable of meeting India's annual demand of subject goods
- vi. The foreign producers are intensely focused on exports. In the event of cessation of duty, these exporters are likely to increase their exports to India at dumped prices. Exports of subject goods from subject countries to world are significant.
- vii. Price undercutting without anti-dumping duty is high in the POI. Thus, it is evident that if anti-dumping duties currently in place are allowed to expire; the imports would cause severe price undercutting which would cause material injury to the Domestic Industry
- viii. The prices at which subject goods are being imported are substantially lower than the price at which the goods are being sold in the domestic market. Therefore, in case of expiry of duty, exporters from subject countries would further channelize their output in the Indian market in view of the significant capacity with it.
- ix. In the event of cessation of current anti-dumping duty and if Domestic Industry is constrained to sell at import prices, the profitability will further decline. Further, if the Domestic Industry chooses to maintain its price at the same level, the import volume will increase, given significant price difference between the domestic and import prices. This is likely to cause significant deterioration in sales, production and capacity utilization of the domestic industry.

Examination by the Authority

70. All factors brought to the notice of the Authority have been examined to determine as to whether there is a likelihood of injury in the event of cessation of the duty. The Authority has determined whether injury to the domestic industry is likely to recur due to these imports if the duty cease to exist.

71. The Authority has examined the contention of the domestic industry and has examined likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. As this is a sunset review, the post POI and third country exports data was analysed. Individual countries trade data has been considered for analysis of post POI data Export to third country data has been sourced from World Trade Atlas. Data submitted by the responding exporter (a major producer) from Korea has also been considered for likelihood analysis concerning Korea.

KOREA RP - Post POI Analysis (April, 2014 to September, 2014)

Post POI Dumping Margin

Particulars	UOM	Value
Normal Value	US\$/MT	***
Export Price	US\$/MT	***
Dumping Margin	US\$/MT	***
Dumping Margin %	%	(0.59)

Post POI Injury Margin

Particulars	Unit	Korea
NIP for Post POI	\$/MT	***
Landed Import Price	\$/MT	***
Injury Margin	\$/MT	***
Injury Margin	%	(14.70)

72. The post POI data analysis shows that dumping margin and injury margin is negative.

KOREA RP - Third Country Analysis in POI and post POI

73. Co-operative exporter's exports from Korea to rest of the world other than India (ROW) have been analysed and the authority noted that out of the total quantity exported to ROW, 44025 MT (75%) during POI and 28120 MT (82%) during post POI were at dumped prices. The authority has further analysed whether such dumped goods if exported to India would cause injury to the domestic industry. The authority notes from the analysis that out of the aforesaid quantity, 9268MT(16%) of total exports to ROW during POI and 11993MT (35%) during post POI may cause injury to the domestic industry if diverted to India.

China PR - Third Country Analysis in POI and post POI

74. Third country exports of China PR to rest of the world other than India (ROW) sourced from World Trade Atlas data also have been analysed. The analysis revealed that out of the total quantity exported to ROW, 4353MT (59%) during POI and 1637 MT (39%) during post POI were at dumped prices. In order to ascertain whether such dumped goods if exported to India would cause injury to the domestic industry, it was found that 500MT (7%) of total quantity exports to ROW during POI were lower than the NIP compared to the landed price. During post POI however the percentage of such exports is negligible.

EU - Third Country Analysis in POI and post POI

75. Third country exports of European Union to rest of the world other than India (ROW) sourced from World Trade Atlas data also have been analysed. The analysis revealed that out of the total quantity exported to ROW, 9292MT (44%) during POI and 8293 MT (58%) were at dumped prices. Further, analysis of data shows that 234MT (1%) of total

exports to ROW during POI may cause injury to the domestic industry if such dumped goods were diverted to India. The post POI data however demonstrated that in spite dumping there is no threat of injury to the domestic industry.

L. SURPLUS CAPACITIES WITH THE FOREIGN PRODUCERS WHO ARE EXPORT ORIENTED.

76. As per records, the capacity with the producers in Korea and Chinare to the extent of 4,22,725 MT. Data provided by the domestic industry shows capacities with various exporters as follows:

NAME	CAPACITY/PRODUCTION
Korea RP	
UNID Co. Ltd.	96725 MT/year
Chemi powder Co.	36000 MT/year
Total	132725 MT/year
China	
Tianjin Dingshengxin Chemical Industry Co.	70000 MT/year
Jiangsu Kolod Food Ingredient Co	60000 MT/year
Wentong Potassium Salt Group Co	120000 MT/year
Shandong LunanChem Technology	40000 MT/year
Total	290000 MT/year

77. The Authority notes that as against 27,497 MT of Indian demand established in the POI, the Korean producers are having production capacities to the extent of 132725 MT, which is sufficient to take care of five times the Indian demand of the product in the country. Similarly Chinese production capacities are ten times the Indian demand.

78. Table below shows exports of subject goods from subject countries to India and rest of the world during POI(Source: World Trade Atlas).

Country	Exports to India (MT)	Exports to Third Countries (MT)	Total (MT)
China	794	9,913	10,707
Taiwan	920	13,324	14,244
Korea	9455	60,008	69,463
EU	1929	21,199	23,128

79. It is noted from the table above that Korean exports to India as well as rest of the world are substantial, however even though capacity with Chinese producers are huge as per the information received from the domestic industry, the export data does not show high export orientation.

M. PRICE ATTRACTIVENESS OF INDIAN MARKET

80. The prices at which subject goods are being imported from Taiwan are substantially lower than the price at which the goods are being sold in the domestic market. Therefore, in case of expiry of duty, it is likely that exporters from subject countries would further channelize their output in the Indian market in view of the significant capacity with it.

81. However, in case of EU the import prices are significantly higher than the DI prices thus showing no likelihood of recurrence of injury to the domestic industry.

82. In this regard, the information relating to Korean exports to various countries globally were examined by the Authority on the basis of transaction wise information given by the responding exporter. Considering these prices as FOB export prices, dumping margin and injury margin were determined after due adjustments (from FOB to ex-factory in respect of dumping margin and from FOB to landed price in case of injury margin). It is seen that 16% of the total volume of exports from UNID Co. Korea to various countries globally during the period of investigation was at prices below the non injurious price of the domestic industry. Also, 75% of exports are at dumped prices.

Particulars	Unit	Quantity
Total volume of exports to all countries	MT	58,495
Volume of exports at dumped prices	MT	44025
Volume of exports at injurious prices (when compared to NIP of the domestic industry)	MT	9268
Share of dumped exports	%	75
Share of injurious exports	%	16

83. It is, thus, seen that a very significant proportion of Korea's exports to third countries was at dumped prices, and at a price where domestic industry would suffer injury, if these exports are diverted to Indian market. Further, considering demand in India, this volume of exports at dumped and injurious prices is significant. This shows likelihood of dumping in the event of revocation of duty.

N. VULNERABILITY OF THE DOMESTIC INDUSTRY

84. Petitioner has submitted that the Indian market is highly price sensitive. The consumers decide their procurement, with the price being the foremost consideration. Vulnerability of the domestic industry relates to whether the industry would be susceptible to material injury in the event of cessation of antidumping duty imposed. The Authority has therefore considered whether the performance of the domestic industry will deteriorate upon cessation of anti dumping duty.

85. It is seen that in the event of cessation of current antidumping duty on imports from Korea and Taiwan, the domestic industry will have to either reduce the selling price or the domestic industry would lose sales volumes. It is further noted that in the event of cessation of current anti-dumping duty on Taiwan and Korea and if Domestic Industry is constrained to sell at import prices, the profitability will decline. The return on investment and cash profit would also deteriorate. Therefore, cessation of anti-dumping duty would have significant adverse effect on the prices in the market. Further, in the event of cessation of current anti-dumping duty on Taiwan and Korea, should the Domestic Industry choose to maintain its price at the same level, the import volume will increase, given significant price difference between the domestic and import prices. This is likely to cause significant deterioration in sales, production and capacity utilization of the domestic industry.

O. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES:

86. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country/territory in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

87. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

P. Post Disclosure Statements/submissions

Post Disclosure Statement by the Opposing Interested Parties

88. The Producer and exporter M/s UNID Co. has submitted that while examining injury margin for third country sales during POI & Post POI, DGAD has ignored all such transactions which were found to be above NIP. This amounts to zeroing. The same is not permitted under the law. We submit that this approach of DGAD is contrary to the rulings of WTO Panel.

Post Disclosure Statement submissions by the Domestic Industry

89. Following are in brief the post Disclosure Statement submissions made by the domestic industry:

- The product under consideration continues to be exported at dumped price from Korea and Taiwan.
- The Designated Authority has determined negative dumping margin in case of UNID Co. The petitioner submits that the Designated Authority has not considered captive inputs at its market value inspite of their specific request. If the captive inputs are not considered at their market value, it shall imply in the facts of the present case that a party has earned higher profits in captive input and loss in product under consideration.

- c. The performance of the domestic industry deteriorated in respect of volume parameters and improved in respect of price parameters.
- d. The Authority has even though recorded the submission of the domestic industry that the raw material price (caustic potash) should be valued at market price, but has not considered the same.
- e. The raw material involved for the product under consideration is caustic potash (KOH), which is a tradable product, should be considered at its market value in calculation of dumping margin and injury margin. KOH can be sold in lye or flake form in the market, or processed further to produce K₂CO₃. It would be seen that significant volumes of KOH is sold in the market therefore, the cost of production of K₂CO₃ is required to be determined after considering KOH at its market value.
- f. Elements of costs even though might be based on the records kept by the exporter, nevertheless does not imply that the Designated Authority is bound to adopt the cost of production of the exporter without satisfaction whether the same reasonably reflect the cost associated with production and sale of the product under consideration.
- g. There has to be a single NIP for a product as envisaged by the Rules, and not several NIPs for the same product.
- h. Imports from Korea and Taiwan are undercutting the prices of the domestic industry in the market in spite of prevailing anti dumping duty. There is likelihood of dumping and injury from subject countries, except EU, as established by the following:
 - i. In case of China, while dumping margin & injury margin are negative in POI and post POI. However, these are all positive if the captive inputs are considered at their market values.
 - ii. China has significant surplus capacity of the subject goods and Chinese Companies are highly export orientation. This also shows that there exist likelihood of recurrence of dumping and injury from China in the event of cessation of anti dumping duty.
 - iii. In case of Korea, while dumping margin & injury margin are negative in POI and post POI for Unid Co., Korea, the same are positive in respect of "any other producer/exporter", if captive input is considered at costs. Further, these are all positive if the captive inputs are considered at their market values.
 - i. Determination of non injurious price is inappropriate and is leading to unduly low protection to the domestic industry. Net Fixed Assets cannot form the basis for determination of profits when the original plant setup by the domestic industry is almost 90% depreciated. Given the high age of the plant, the Designated Authority should consider higher rate of return for the domestic industry.
 - j. Anti dumping duty should be imposed only as fixed quantum in US Dollars.

Examination by the Authority

90. The Authority noted the argument made by the responding exporter that injury margin for third country analysis in POI and Post POI has been determined by ignoring all transactions which were found to be above NIP, is incorrect. The said analysis is not for calculating dumping or injury margin whereby the concept of zeroing in has been disallowed as mentioned by the exporter. In the instant case the post POI data has been used for recurrence analysis to arrive at the conclusion of likelihood of injury in case of revocation of duty by diversion of subject goods.

91. The argument of the domestic industry is repetitive however they are being dealt with again here under. The main thrust of the submission of DI is that the valuation of captive input i.e. caustic potash (KOH) should be at its market value and not at its cost as recorded in the books of accounts, the authority notes that it has determined the NIP in terms Annexure III to AD Rules and the books of accounts maintained by the DI.

92. As per Clause 2 of annexure III to AD Rules, the Authority is calculating NIP in order to "determine the fair selling (notional) price or non-injurious price of the like domestic product taking into account the principles specified herein under". The purpose of computing NIP is to see the actual cost incurred by domestic producers and then allowing them a reasonable return on capital employed by them to arrive at a price, which would be fair selling price. When actual cost is to be taken, there is no reason to adopt the market price of captively produced inputs.

93. DI cannot argue that the cost of production of PUC should be based on the market value of intermediate product produced by them when they are actually producing it from the basic stage. The authority has considered the cost of production as recorded in the books of accounts maintained by the domestic industry and allowed return on capital employed by them for the manufacture of PUC including the one relating to captive input.

94. As regards the contention of DI that the Authority should consider the Cost of Production as recorded in the books of accounts only when it is reasonable, the Authority holds that the cost of production data as per the records of the domestic industry as well as for the co-operative exporters were as per the Generally Accepted Accounting Principles of the respective countries. The Authority has, therefore, relied on such data for determining the cost of production of the subject goods. The submission of DI that the Authority has computed several NIPs is not correct.

95. As regards the submission of DI that the NIP determined by the Authority is inappropriate, the Authority notes that the NIP has been determined in terms of Annexure III to the AD rules.

96. As regards the submission of DI that antidumping duty should be imposed as fixed duty in US\$, the Authority has recommended the fixed duty in US\$.

97. It is concluded by the Authority that costs based on the records kept by the domestic industry and verified by the authority has been considered for calculating cost of production, as per the practice followed by the Authority.

Q. Conclusion and Recommendation

98. The Authority notes that exporters from Korea, Taiwan and EU participated in the investigation. The Questionnaire response from UNID Co. Ltd was complete and has been admitted. The Questionnaire responses from the exporters from Taiwan and EU were found incomplete and have been rejected. None of the exporters or producer from China have submitted questionnaire responses, or participated in the Oral Hearing or made any post Disclosure Statement submissions.

99. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the domestic industry and facts available before the Authority and on the basis of above analysis the Authority concludes and recommends that:

(i) The performance of the domestic industry in terms of production, sales, capacity utilisation and market share has deteriorated; however, profits, cash profits and ROI shows improvement over the injury period.

(ii) The subject goods from Taiwan are entering in the Indian market at dumped prices in the POI with a substantial dumping margin. Further, the injury margin is also positive.

(iii) The analysis of data for Korea indicates that even though dumping margin and injury margin determined for the responding exporter is negative during the POI, the post POI and third country analysis shows positive injury and dumping margin. Moreover, in view of the evidence of surplus capacity, export orientation and price attractiveness of the Indian market for the Korean producers, the Authority holds that there is likelihood of recurrence of dumping and injury from Korea.

(iv) The dumping margin and injury margin determined for China and EU during POI is negative. Price undercutting and price underselling are also negative without the anti dumping duties from China and EU. Further even though third country dumping margin is positive for EU and China during the POI, the injury margin remains negative. It is also noted that the exporters from China do not show high export orientation despite the claim of significant surplus capacities. Thus, the Authority holds that there is no likelihood of recurrence of dumping and injury from China and EU.

(v) The Authority, thus, in order to remove likely injury to the domestic industry, considers it necessary to recommend continuation of the definitive anti dumping duty on all imports of the subject goods from Korea levied by the Central Government vide its Notification No.61/2009-Customs dated 10th June, 2009 and imposition of definitive anti dumping duty on all imports of the subject goods from Taiwan as per table below :

DUTY TABLE									
Sl. No	Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount (in USD)	Unit of Measure ment
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28364000	Potassium Carbonate	Any specification	Taiwan	Taiwan	Any	Any	153	MT
2.	28364000	Potassium Carbonate	Any specification	Taiwan	Any country other than Taiwan	Any	Any	153	MT
3.	28364000	Potassium Carbonate	Any specification	Any country except Korea RP & Taiwan	Taiwan	Any	Any	153	MT
4.	28364000	Potassium Carbonate	Any specification	Korea RP	Korea RP	M/s UNID Co. Ltd.	M/s UNID Co. Ltd.	9.45	MT
5.	28364000	Potassium Carbonate	Any specification	Korea RP	Korea RP	Any combination other than 4 above		123.86	MT

6.	28364000	Potassium Carbonate	Any specification	Korea RP	Any country other than Korea	Any	Any	123.86	MT
7.	28364000	Potassium Carbonate	Any specification	Any country other than Korea& Taiwan	Korea RP	Any	Any	123.86	MT

100. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

101. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J. K. DADOO, Designated Authority